ज्ञान | विज्ञान | संस्कार | नवाचार | कौशल | करियर |

DISTRICT EDUCATION
शिक्षा विभाग
बिहार सरकार
GOPALGANJ

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

विद्यार्थी दर्पण

बिहार के छात्रों की सोच, सपनों और सफलता की कहानी

खंड - 1 अंक - 3
संस्करण
अक्टूबर - दिसंबर, 2026

पढ़ें
सोचें
समझें
सीखें
आगे बढ़ें

“ शिक्षित बिहार
समृद्ध बिहार ”

मेरा
बिहार
मेरा गर्व

बिहार परीक्षा विशेष

- नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा (JNVST)
- सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा (AISSEE)
- राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल प्रवेश परीक्षा (RMS CET)
- राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृति (NMMS)
- अन्य महत्वपूर्ण प्रवेश परीक्षाएं

तिथि | पात्रता | लाभ | तैयारी मार्गदर्शन

बिहार विद्या साथी ऐप

डिजिटल शिक्षा का नया कदम

बिहार सरकार
शिक्षा विभाग
बिहार विद्या साथी
वीडियो पाठ
ई-बुक नोट्स
प्रश्न बैंक
मॉक टेस्ट
करियर मार्गदर्शन
मेरी प्रगति

- कक्षा अनुसार अध्ययन सामग्री
- वीडियो लेक्चर
- ई-बुक और नोट्स
- प्रश्न बैंक और मॉक टेस्ट
- करियर जानकारी
- मेरी प्रगति ट्रैक करें

सरस्वती विद्या निकेतन
(मॉडल स्कूल)

सरस्वती विद्या निकेतन (मॉडल स्कूल)

- कक्षा 9 से 12 के लिए
- उत्कृष्ट विद्यालय, आधुनिक सुविधाएं
- विज्ञान, कला, वाणिज्य में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा
- प्रतिभावान विद्यार्थियों के लिए विशेष अवसर

उत्कृष्ट अध्ययन | विज्ञान और नवाचार | खेल और स्वास्थ्य

“ ज्ञान से उज्जवल मन, संस्कार से मजबूत जीवन,
शिक्षा से समृद्ध हो बिहार का हर आँगन! ”

बढ़ते सपने | बढ़ता बिहार

शिक्षित
बिहार
समृद्ध बिहार

अस्वरीकरण /कॉपीराइट सूचना

विद्यार्थी दर्पण एक त्रैमासिक ई-शैक्षिक पत्रिका है, जिसका प्रकाशन जिला शिक्षा विभाग ,गोपालगंज और टीचर्स ऑफ़ बिहार (Teachers of Bihar) द्वारा किया गया है।

इस पत्रिका का उद्देश्य छात्रों को जागरूक, सक्षम और भविष्य के लिए तैयार बनाने का प्रयास करना है।

"विद्यार्थी दर्पण" त्रैमासिक पत्रिका है, जिसे बिहार के शिक्षकों द्वारा प्रकाशित किया गया है।

इस पत्रिका में प्रकाशित समस्त लेख, चित्र ,डिज़ाइन एवं सामग्री के सर्वाधिकार संबंधित लेखक एवं प्रकाशक के पास सुरक्षित हैं। जिला शिक्षा विभाग ,गोपालगंज और टीचर्स ऑफ़ बिहार की पूर्व लिखित अनुमति के बिना इस पत्रिका के किसी भी भाग को किसी भी रूप में —जैसे इलेक्ट्रॉनिक, यांत्रिक, फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग अथवा किसी अन्य माध्यम से—पुनः प्रकाशित, संग्रहित या प्रसारित करना प्रतिबंधित है।

यह पत्रिका केवल पठन एवं शैक्षिक उद्देश्य के लिए निःशुल्क उपलब्ध कराई गई है। इसका किसी भी प्रकार से व्यावसायिक उपयोग या विक्रय करना वर्जित है।

सामग्री की सटीकता बनाए रखने का हर संभव प्रयास किया गया है, फिर भी किसी त्रुटि या अद्यतन परिवर्तन के लिए संपादक/प्रकाशक जिम्मेदार नहीं होंगे।

मदद और मार्गदर्शन
(Mentors & Patrons)

"सही मार्गदर्शन हर विद्यार्थी के सपनों को नई उड़ान देता है!"

हमारे संरक्षक

अमरेंन्द्र कुमार पांडे
जिला शिक्षा पदाधिकारी (DEO)
गोपालगंज

संरक्षक

शिव कुमार
संस्थापक
(टीचर्स ऑफ बिहार)

शिक्षित बिहार समृद्ध बिहार

संपादकीय मंडल
(Editorial Board)

प्रधान संपादक

मनीष कुमार
हाई स्कूल लरौली
(गोपालगंज)

सहायक संपादक

मनोज कुमार गिरी

अनीक पांडे

अजय कुमार

प्रूफ रीडर

चंदन कुमार

संकलन एवं संपादन

जिला शिक्षा विभाग टीम, गोपालगंज
और टीचर्स ऑफ बिहार टीम

तकनीकी एवं डिज़ाइन सहयोग

शिवेंन्द्र प्रकाश सुमन
टेक्निकल टीम लीडर
(टीचर्स ऑफ बिहार)

"मार्गदर्शन से मिलता है आत्मविश्वास,
और आत्मविश्वास से बनता है उज्जवल भविष्य!"

संपादकीय (Editorial)

प्रिय विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों,

"विद्यार्थी दर्पण" का तृतीय अंक आपके हाथों में सौंपते हुए हमें अत्यंत प्रसन्नता और गर्व का अनुभव हो रहा है। प्रथम और द्वितीय अंक को आप सभी से मिले स्नेह, सुझाव और उत्साहवर्धन ने हमें इस अंक को पहले से अधिक समृद्ध, आकर्षक और उपयोगी बनाने की प्रेरणा दी।

आज शिक्षा केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं है। एक सफल विद्यार्थी बनने के लिए विज्ञान, तकनीक, खेल, पर्यावरण, नवाचार, जीवन कौशल और अपने समाज तथा जिले की जानकारी भी उतनी ही आवश्यक है। इसी सोच के साथ इस अंक में हमने "गोपालगंज विशेष", "स्पोर्ट्स स्पेशल", विज्ञान एवं तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), करियर मार्गदर्शन, सरकारी योजनाएँ, प्रेरक व्यक्तित्व और समसामयिक विषयों को सरल एवं रोचक शैली में प्रस्तुत किया है।

हमारा प्रयास है कि "विद्यार्थी दर्पण" केवल एक पत्रिका न होकर विद्यार्थियों के लिए ज्ञान, प्रेरणा और नई सोच का विश्वसनीय साथी बने। यदि इस अंक का कोई भी लेख किसी विद्यार्थी को नया सपना देखने, नई दिशा चुनने या कुछ नया सीखने के लिए प्रेरित करता है, तो हमारा यह प्रयास सफल होगा। आपके सुझाव और सहयोग ही हमारी सबसे बड़ी प्रेरणा हैं। आइए, हम सभी मिलकर सीखने, सोचने और आगे बढ़ने की इस यात्रा को निरंतर जारी रखें।

सीखते रहें, जिज्ञासु बनें और अपने सपनों को आत्मविश्वास के साथ साकार करें।

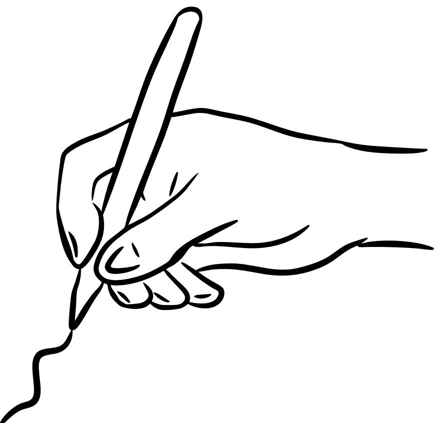

मनीष कुमार
प्रधान संपादक

संदेश

प्रिय विद्यार्थियों, शिक्षकगण एवं अभिभावकगण,

"विद्यार्थी दर्पण" का तीसरा अंक आपके हाथों में है—यह मेरे लिए प्रसन्नता का विषय है। यह पत्रिका केवल पढ़ने के लिए नहीं, बल्कि सोचने, सवाल पूछने, कुछ नया करने और अपनी प्रतिभा को पहचानने का एक छोटा-सा मंच है। इस अंक को तैयार करते समय हमारा प्रयास रहा है कि इसमें ऐसी सामग्री शामिल हो जो विद्यार्थियों को कक्षा से बाहर की दुनिया से जोड़े और सीखने को अनुभव में बदलने की प्रेरणा दे।

इस अंक में राज्य सरकार और शिक्षा विभाग की प्रमुख शैक्षिक पहलों, विद्यालयों की गतिविधियों, विद्यार्थियों की उपलब्धियों, विज्ञान एवं तकनीक, खेल, पर्यावरण, कला-संस्कृति, करियर और समसामयिक विषयों को स्थान दिया गया है। हमारा उद्देश्य इन पहलों की जानकारी देना भर नहीं, बल्कि यह दिखाना भी है कि इन अवसरों में विद्यार्थी और शिक्षक अपनी सक्रिय भूमिका कैसे निभा सकते हैं।

**एक अच्छी पत्रिका वह नहीं जो केवल जानकारी दे,
बल्कि वह है जो पढ़ने के बाद कोई नया विचार पैदा करे।**

मैं चाहता हूँ कि विद्यार्थी इस अंक को पढ़ते हुए खुद से पूछें—
मैं क्या सीख सकता हूँ?
मैं क्या नया कर सकता हूँ?
अपने विद्यालय और समाज के लिए मैं क्या योगदान दे सकता हूँ?

शिक्षकों के लिए भी यह अंक कक्षा-चर्चा, गतिविधियों, परियोजनाओं और रचनात्मक शिक्षण के लिए उपयोगी सामग्री का माध्यम बने—यही हमारी कोशिश है।

आज शिक्षा केवल किताब और परीक्षा तक सीमित नहीं है। तकनीक, AI, कौशल, रचनात्मकता, खेल, पर्यावरण और जीवन-मूल्य भी सीखने का हिस्सा हैं। इसलिए जरूरी है कि हमारे विद्यार्थी केवल अच्छे अंक प्राप्त करने वाले नहीं, बल्कि जिज्ञासु, संवेदनशील, आत्मविश्वासी और समाधान खोजने वाले नागरिक बनें।

**हर विद्यार्थी में एक संभावना है।
जरूरत है—उसे पहचानने, अवसर देने और आगे बढ़ाने की।**

"विद्यार्थी दर्पण" उसी संभावना को एक मंच देने का प्रयास है।

इस अंक के लिए मेहनत करने वाली पूरी टीम, शिक्षकों और विद्यार्थियों को मेरी शुभकामनाएँ। आशा है कि यह अंक आपके लिए ज्ञान का स्रोत, विचारों की शुरुआत और नई कोशिशों की प्रेरणा बनेगा।

पढ़िए • सोचिए • पूछिए • सीखिए • कुछ नया कीजिए
आप सभी के उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ।

(समीर सौरभ)

जिला पदाधिकारी ,
गोपालगंज

संस्कृत भाषा के लिए विशेष संदेश

प्रिय विद्यार्थियों,

आज का समय बहुत तेजी से बदल रहा है। हमारे हाथ में स्मार्टफोन है, सामने इंटरनेट की दुनिया है और अब Artificial Intelligence (AI) भी हमारे सीखने और काम करने के तरीके को बदल रहा है। हम कुछ ही सेकंड में दुनिया के किसी भी कोने की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। ऐसे समय में कभी-कभी हमारे मन में यह प्रश्न उठता है—"जब दुनिया इतनी आगे बढ़ गई है, तो **हमें संस्कृत जैसी प्राचीन भाषा क्यों पढ़नी चाहिए?"**

मेरा उत्तर बहुत सरल है—क्योंकि आधुनिक बनने के लिए अपनी जड़ों से कटना जरूरी नहीं है। संस्कृत पूर्णतः वैज्ञानिक भाषा है |

संस्कृत को केवल एक विषय, एक परीक्षा या कुछ श्लोकों तक सीमित करके देखना इसके व्यापक स्वरूप को समझने में हमारी भूल होगी। संस्कृत भारत की उस ज्ञान-परंपरा की भाषा रही है, जिसमें साहित्य के साथ-साथ दर्शन, व्याकरण, आयुर्वेद, गणित, खगोल, नीति, विज्ञान और जीवन-दर्शन से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विचार पीढ़ियों तक सुरक्षित रहे।

संस्कृत पढ़ना क्यों जरूरी है?

पहला कारण—संस्कृत भाषा हमें अपनी संस्कृति से जोड़ती है ।

हमारे देश की सभ्यता और ज्ञान परंपरा को समझने के लिए संस्कृत के मूल शब्दों और ग्रंथों से परिचित होना अत्यंत उपयोगी है। जब हम किसी विचार को उसके मूल स्रोत से समझते हैं, तो हमारी समझ केवल अनुवाद तक सीमित नहीं रहती।

दूसरा कारण—संस्कृत हमारी हिंदी को समझने में भी मदद करती है।

हिंदी के अनेक शब्द संस्कृत से लिए गए हैं। यदि विद्यार्थी संस्कृत के शब्दों, उपसर्गों, प्रत्ययों और शब्द-निर्माण की प्रक्रिया को समझते हैं, तो हिंदी के शब्दों का अर्थ समझना भी उनके लिए अधिक सहज हो जाता है।

तीसरा कारण—यह भाषा हमें व्यवस्थित ढंग से सोचने की समझ विकसित करती है।

संस्कृत का व्याकरण अत्यंत व्यवस्थित है। शब्दों के विन्यास, वाक्य की संरचना और अर्थ के संबंध को समझते हुए विद्यार्थी भाषा के साथ-साथ तर्क और संरचना को भी समझना सीखते हैं।

चौथा कारण—यह हमारी सांस्कृतिक स्मृति को जीवित रखती है।

यदि आने वाली पीढ़ियाँ अपनी भाषाओं और साहित्य से दूर हो जाएँगी, तो धीरे-धीरे हमारी अनेक कहानियाँ, सूक्तियाँ, श्लोक, विचार और ज्ञान परंपराएँ भी उनसे दूर होती जाएँगी। विरासत को संग्रहालय में रखकर नहीं, जीवन में उतारकर जीवित रखा जाता है।

संस्कृत और आज की Technology

यह भी समझना जरूरी है कि संस्कृत का संबंध केवल अतीत से नहीं है। आज भाषा-विज्ञान और Natural Language Processing (NLP) जैसी तकनीकों के माध्यम से कंप्यूटर को मानव भाषा समझाने का प्रयास हो रहा है। AI के दौर में भाषा की संरचना, व्याकरण और अर्थ की समझ पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।

इसलिए विद्यार्थी संस्कृत को इस दृष्टि से भी देख सकते हैं—

"जो भाषा हमें हजारों वर्ष पुराने ज्ञान से जोड़ती है, वही भाषा हमें आधुनिक भाषा-विज्ञान और AI की दुनिया के बारे में सोचने की नई दृष्टि भी दे सकती है।"

इसका अर्थ यह नहीं है कि संस्कृत सीखने वाला प्रत्येक विद्यार्थी AI वैज्ञानिक बनेगा। इसका अर्थ इतना है कि भाषा सीखना हमारे सोचने की क्षमता को व्यापक बनाता है।

मेरे जीवन में संस्कृत की सीख

मेरे विद्यार्थी जीवन और शिक्षा की यात्रा में संस्कृत से जुड़ी सीखों ने मुझे यह समझने में सहायता किया कि किसी भी ज्ञान को केवल परीक्षा के लिए नहीं, जीवन को समझने के लिए पढ़ना चाहिए। संस्कृत के श्लोकों और साहित्य में केवल शब्द नहीं हैं; उनमें जीवन के प्रति दृष्टिकोण, अनुशासन, कर्तव्य, प्रकृति, समाज और मानवीय मूल्यों को समझने के अनेक अवसर मिलते हैं। किसी विद्यार्थी के जीवन में कभी-कभी एक शिक्षक, एक पुस्तक, एक कविता या एक छोटा-सा श्लोक भी सोचने का पूरा तरीका बदल देता है। इसलिए मैं चाहता हूँ कि आप संस्कृत को केवल "एक और subject" न समझें। इसे एक खिड़की की तरह देखिए—जिससे आप अपने अतीत, अपनी संस्कृति और अपने ज्ञान-संसार को देख सकते हैं।

संस्कृत कठिन नहीं है

अक्सर विद्यार्थी कहते हैं—"संस्कृत बहुत कठिन है।"

मैं आपसे कहूँगा—किसी भी नई भाषा को पहली बार पढ़ना कठिन लग सकता है। लेकिन जब आप रोज केवल 5 नए शब्द, एक छोटा श्लोक और उसका अर्थ समझने लगेंगे, तो धीरे-धीरे वही भाषा परिचित होने लगेगी।

आज आप मोबाइल पर नए Apps सीख सकते हैं, AI tools सीख सकते हैं, coding सीख सकते हैं और नई-नई technologies समझ सकते हैं। तो फिर अपनी ही विरासत की भाषा के कुछ शब्द सीखने में संकोच क्यों?

एक छोटा-सा संकल्प लीजिए—

हर सप्ताह एक संस्कृत श्लोक पढ़ूँगा।
उसका अर्थ समझूँगा।
उसमें छिपे जीवन-मूल्य को खोजूँगा।
और हिंदी के उन शब्दों को पहचानने की कोशिश करूँगा, जिनकी जड़ संस्कृत में है।
यही छोटी शुरुआत आगे चलकर बड़ी समझ का आधार बन सकती है।
स्कृत पढ़िए—अतीत में लौटने के लिए नहीं,
अतीत को समझकर भविष्य को और समृद्ध बनाने के लिए।
ज्ञान की कोई भाषा पुरानी नहीं होती।
बस उसे देखने की हमारी दृष्टि नई होनी चाहिए।

विशेष संदेश

"नई तकनीक अपनाइए, नई भाषाएँ सीखिए, AI की दुनिया में आगे बढ़िए—लेकिन अपनी भाषा और अपनी ज्ञान-परंपरा को कभी पीछे मत छोड़िए।"

अमरेन्द्र कुमार पाण्डेय

जिला शिक्षा पदाधिकारी,
गोपालगंज

शुभकामना संदेश

प्रिय विद्यार्थियों, शिक्षकगण एवं अभिभावकगण,

यह जानकर हर्ष हो रहा है कि जिला शिक्षा विभाग, गोपालगंज द्वारा प्रकाशित त्रैमासिक शैक्षिक पत्रिका "विद्यार्थी दर्पण" का तृतीय अंक प्रकाशित हो रहा है। इस पहल के माध्यम से विद्यार्थियों तक ज्ञान, रचनात्मकता और सीखने के नए अवसर पहुँचाने का प्रयास निश्चित रूप से सराहनीय है।

आज विद्यालयी शिक्षा का अर्थ केवल पाठ्यक्रम पूरा करना नहीं है। हमारा लक्ष्य ऐसा वातावरण बनाना है, जहाँ बच्चे सीखें, सवाल पूछें, प्रयोग करें, अपनी प्रतिभा दिखाएँ और जीवन की वास्तविक परिस्थितियों से जुड़कर ज्ञान का उपयोग करना सीखें।

समग्र शिक्षा का मूल भाव भी इसी व्यापक दृष्टिकोण से जुड़ा है—विद्यालय तक पहुँच, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, समान अवसर, समावेशिता और प्रत्येक बच्चे के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करना। बिहार में शिक्षा के क्षेत्र में छात्रवृत्ति, पोशाक, साइकिल, पाठ्यपुस्तक, ICT, शिक्षक प्रशिक्षण और अन्य अनेक योजनाओं के माध्यम से विद्यार्थियों को सीखने के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है।

तकनीक भी आज शिक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा बन रही है। हाल ही में राज्य में "बिहार विद्या साथी" जैसे डिजिटल माध्यमों की शुरुआत विद्यार्थियों को 24×7 ऑनलाइन शैक्षिक सहयोग उपलब्ध कराने की दिशा में की गई है। ऐसे प्रयास तभी सफल होंगे, जब विद्यार्थी और शिक्षक इन संसाधनों का उपयोग सिर्फ जानकारी प्राप्त करने के लिए नहीं, बल्कि अपनी सीखने की क्षमता को बेहतर बनाने के लिए करें।

इसी सोच को ध्यान में रखते हुए "विद्यार्थी दर्पण" के इस अंक में शिक्षा विभाग की प्रमुख पहलों के साथ-साथ विज्ञान, तकनीक, खेल, पर्यावरण, कला, नवाचार, करियर, प्रतियोगिताओं और विद्यार्थियों की उपलब्धियों को शामिल किया गया है। इसका उद्देश्य है कि पत्रिका पढ़ने की सामग्री से आगे बढ़कर सीखने की गतिविधि और विचारों का मंच बने।

**शिक्षकों के लिए यह एक संसाधन है,
विद्यार्थियों के लिए एक अवसर है,
और विद्यालय के लिए एक साझा मंच।**

मैं शिक्षकों से अपेक्षा करता हूँ कि वे पत्रिका की सामग्री को कक्षा-कक्ष की चर्चाओं, परियोजनाओं, गतिविधियों और स्थानीय संदर्भों से जोड़ें। विद्यार्थियों से मेरा आग्रह है कि वे केवल पढ़कर आगे न बढ़ें—किसी एक विचार को चुनें, उस पर सोचें और उसे अपने विद्यालय या समाज में आजमाने की कोशिश करें।

हमारी जिम्मेदारी है—उसे अवसर देना, प्रोत्साहित करना और आगे बढ़ने का विश्वास देना।**

"विद्यार्थी दर्पण" की पूरी टीम को इस रचनात्मक प्रयास के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ। आशा है कि यह अंक विद्यार्थियों में जिज्ञासा जगाएगा, शिक्षकों को नए प्रयोगों के लिए प्रेरित करेगा और विद्यालयों के बीच सीखने एवं साझा करने की संस्कृति को मजबूत करेगा।

आइए, शिक्षा को केवल पढ़ने तक सीमित न रखें—उसे अनुभव, प्रयोग और परिवर्तन से जोड़ें।

सीखते रहें • सिखाते रहें • प्रयोग करते रहें • आगे बढ़ते रहें

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

जिला कार्यक्रम पदाधिकारी

समग्र शिक्षा, गोपालगंज

विषय सूची

01 आविष्कार और तथ्य .... पृष्ठ 10

02 किताबें और फिल्में .... पृष्ठ 11

03 विज्ञान .... पृष्ठ 12

04 भूगोल .... पृष्ठ 13

05 कला और संस्कृति .... पृष्ठ 14

06 इतिहास .... पृष्ठ 15

07 राजनीति .... पृष्ठ 16

08 अभिप्रेरकों .... पृष्ठ 17

09 पर्यावरण .... पृष्ठ 18

10 प्रतिभा .... पृष्ठ 19

11 जीवन शैली .... पृष्ठ 20

12 विज्ञान गतिबिधिंयों/ प्रयोग .... पृष्ठ 21

13 राज्य समाचार .... पृष्ठ 22

14 विश्व समाचार .... पृष्ठ 23

15 कंप्यूटर/तकनीक .... पृष्ठ 24

16 खेल .... पृष्ठ 25

17 पैसा मायने रखता है .... पृष्ठ 26

18 अपने ज्ञान का परीक्षण करें .... पृष्ठ 27

19 बिहार विशेष .... पृष्ठ 28

20 परीक्षा विशेष .... पृष्ठ 29

BRICS SUMMIT 2026

नई दिल्ली में दुनिया की उभरती अर्थव्यवस्थाओं की बड़ी बैठक

भारत की अध्यक्षता में 18वां BRICS शिखर सम्मेलन

12 और 13 सितंबर 2026 को नई दिल्ली के भारत मंडपम में 18वां BRICS शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया। वर्ष 2026 में BRICS की अध्यक्षता भारत के पास थी। इस सम्मेलन का मुख्य विषय था— “Building for Resilience, Innovation, Cooperation and Sustainability”, अर्थात सुदृढ़शीलता, नवाचार, सहयोग और सतत विकास का निर्माण। सम्मेलन में सदस्य देशों के नेताओं ने वैश्विक अर्थव्यवस्था, व्यापार, तकनीक, स्वास्थ्य, सतत विकास, कृषि, डिजिटल सहयोग और वैश्विक शासन जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया। सम्मेलन के अंत में “New Delhi Declaration 2026” को अपनाया गया। इसमें BRICS देशों ने आपसी सहयोग को मजबूत करने और विकास से जुड़े क्षेत्रों में मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

BRICS क्या है?

BRICS उभरती अर्थव्यवस्थाओं और विकासशील देशों का एक महत्वपूर्ण सहयोग मंच है। इसका नाम मूल रूप से Brazil, Russia, India और China के शुरुआती अक्षरों से बना था। बाद में South Africa के शामिल होने के साथ यह BRICS बना। समय के साथ समूह का विस्तार हुआ और अब इसमें 11 सदस्य देश हैं:

- 🇧🇷 ब्राज़ील
- 🇨🇳 चीन
- 🇪🇬 मिस्र
- 🇪🇹 इथियोपिया
- 🇮🇳 भारत
- 🇮🇩 इंडोनेशिया
- 🇮🇷 ईरान
- 🇷🇺 रूस
- 🇸🇦 सऊदी अरब
- 🇿🇦 दक्षिण अफ्रीका
- 🇦🇪 संयुक्त अरब अमीरात

ये देश मिलकर विश्व की लगभग 49.5% आबादी, वैश्विक GDP का लगभग 40% और वैश्विक व्यापार का लगभग 26% प्रतिनिधित्व करते हैं।

भारत की अध्यक्षता में पूरे वर्ष चला सहयोग का कार्यक्रम

2026 में भारत ने चौथी बार BRICS की अध्यक्षता की। अध्यक्षता के दौरान केवल शिखर सम्मेलन ही नहीं, बल्कि विभिन्न विषयों पर मंत्री-स्तरीय बैठकें, विशेषज्ञ बैठकें और कार्यसमूह आयोजित किए गए।

भारत की अध्यक्षता के दौरान 25 शहरों में 350 से अधिक बैठकें और उच्च-स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य, कृषि, ऊर्जा, परिवहन, महिला सशक्तिकरण, विज्ञान, तकनीक और सांख्यिकी जैसे विषय शामिल रहे।

भारत की चार प्रमुख प्राथमिकताएँ

सुदृढ़शीलता
मुश्किल परिस्थितियों से निपटने की क्षमता बढ़ाना।

नवाचार
नई तकनीक, विज्ञान और शोध को बढ़ावा देना।

सहयोग
सदस्य देशों के बीच ज्ञान और अनुभव साझा करना।

सतत विकास
ऐसा विकास जो पर्यावरण और आने वाली पीढ़ियों का भी ध्यान रखे।

भविष्य की तकनीक पर BRICS का फोकस

2026 की BRICS चर्चाओं में डिजिटल तकनीक, ICT, AI, डेटा और डिजिटल स्वास्थ्य जैसे विषयों को भी महत्व मिला।
New Delhi Declaration में BRICS देशों ने सुरक्षित, स्थिर, सुलभ और जिम्मेदार डिजिटल वातावरण के लिए सहयोग को मजबूत करने की बात कही। डिजिटल स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी देशों के बीच ज्ञान और अनुभव साझा करने पर जोर दिया गया।

एक खास पहल

भारत की अध्यक्षता के दौरान डिजिटल कृषि में AI, IoT, geospatial technology और data analytics जैसे उपकरणों के उपयोग पर सहयोग को आगे बढ़ाया गया।
यानी भविष्य की खेती भी होगी—

Data + AI + IoT + किसान = Smart Agriculture

BRICS देशों ने स्वास्थ्य सहयोग को भी महत्वपूर्ण क्षेत्र माना।
घोषणा में डिजिटल हेल्थ, स्वास्थ्य अवसंरचना, महामारी से तैयारी, चिकित्सा अनुसंधान, टीकों और स्वास्थ्य तकनीकों तक बेहतर पहुंच जैसे विषयों पर सहयोग की बात कही गई।
2026 में BRICS Mission for Healthy Lifestyle और Healthy Lifestyle Promotion 2026–2029 से जुड़ी पहल भी सामने आई। मानसिक स्वास्थ्य के लिए प्रशिक्षण और Centres of Excellence के नेटवर्क पर भी सहयोग की दिशा तय की गई।

कृषि और जलवायु

खेती केवल भोजन का साधन नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की आजीविका का आधार है।
BRICS के 2026 कार्यक्रमों में प्राकृतिक, जैविक और पुनर्स्थापनात्मक कृषि, जलवायु-अनुकूल खेती तथा कृषि में नई तकनीकों के उपयोग पर सहयोग को आगे बढ़ाया गया।
BRICS Digital Agriculture Network के माध्यम से AI आधारित निर्णय प्रणाली, IoT-enabled monitoring और advanced data analytics जैसे क्षेत्रों में सहयोग की दिशा तय की गई।

व्यापार • अर्थव्यवस्था • संपर्क

BRICS देशों ने अधिक लचीली और विश्वसनीय supply chains तथा व्यापार और निवेश सहयोग को मजबूत करने पर भी जोर दिया।

नई दिल्ली घोषणा में वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं को अधिक लचीला, कुशल, पूर्वानुमानित और समावेशी बनाने के लिए तकनीकी सहयोग, कनेक्टिविटी, बुनियादी ढांचे और प्रौद्योगिकी पहुंच जैसे क्षेत्रों पर काम करने की बात कही गई।
इसका मतलब आसान भाषा में:

कच्चा माल → उत्पाद → परिवहन → बाज़ार → ग्राहक

इस पूरी प्रक्रिया को बेहतर और अधिक विश्वसनीय बनाने के लिए देश मिलकर सहयोग कर सकते हैं।

💡 DID YOU KNOW?

BRIC से BRICS तक का सफर
BRIC → BRICS → Expanded BRICS
पहले चार उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए इस्तेमाल होने वाला BRIC नाम धीरे-धीरे एक अंतरराष्ट्रीय सहयोग मंच में बदला। South Africa के शामिल होने के बाद इसका नाम BRICS हुआ और हाल के विस्तार के साथ सदस्य देशों की संख्या बढ़कर 11 हो गई।

📰 तथ्य	📌 जानकारी
शिखर सम्मेलन	18वां BRICS Summit
स्थान	भारत मंडपम, नई दिल्ली
तिथि	12–13 सितंबर 2026
अध्यक्ष देश	भारत
सदस्य देश	11
मुख्य दस्तावेज़	New Delhi Declaration 2026
मुख्य विषय	सुदृढ़शीलता, नवाचार, सहयोग और सतत विकास
विश्व आबादी	49.50%
वैश्विक GDP	लगभग 40%

किताबों की दुनिया

पढ़ें, सोचें, बड़े सपने देखें

इस महीने की चुनिंदा किताबें, जो आपकी सोच, ज्ञान और जीवन कौशल को मजबूत बनाएं

1. तुम्हारे भीतर की ताकत

(ए. पी. जे. अब्दुल कलाम की प्रेरणादायक जीवन यात्रा)

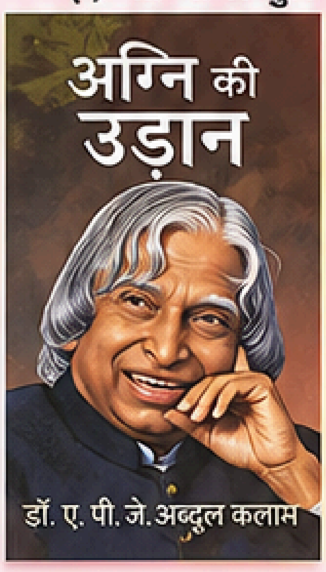

★★★★☆

भाषा: हिंदी **उम्र:** 11+ **विधा:** जीवन प्रेरणा

यह किताब बच्चों और युवाओं के लिए डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम के जीवन की प्रेरक कहानी है। यह बताती है कि कैसे एक साधारण परिवेश से आने वाला बालक मेहनत, अनुशासन और बड़े सपनों के बल पर भारत का मिसाइल मैन और राष्ट्रपति बना। यह किताब हमें सिखाती है कि सपने देखने के साथ-साथ उन्हें पुरा करने के लिए कड़ी मेहनत और सही दिशा जरूरी है।

आप क्या सीखेंगे?

- ✅ बड़े सपने देखने की शक्ति
- ✅ असफलताओं से सीखना
- ✅ विज्ञान और शिक्षा का महत्व
- ✅ देश के प्रति जिम्मेदारी

2. चाणक्य नीति (युवा संस्करण)

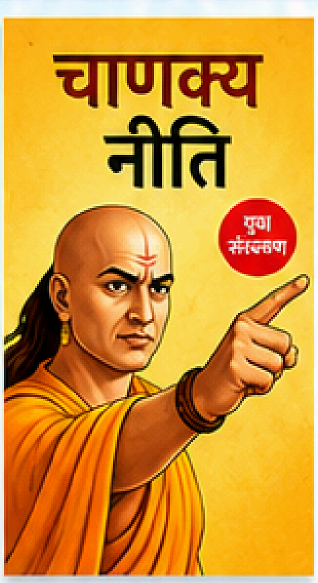

★★★★☆

भाषा: हिंदी **उम्र:** 12+ **विधा:** नीति और जीवन कौशल

यह पुस्तक आचार्य चाणक्य के जीवन के महत्वपूर्ण विचारों और नीतियों का सरल भाषा में संकलन है। इसमें पढ़ाई, समय प्रबंधन, मित्र चयन, लक्ष्य निर्धारण और कठिन परिस्थितियों में धैर्य रखने जैसे विषयों पर उपयोगी सलाह दी गई है।

क्यों पढ़ें?

- ✅ जीवन में सही निर्णय लेना
- ✅ समय का सदुपयोग करना
- ✅ लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना
- ✅ व्यक्तित्व और नेतृत्व का विकास

3. पंचतंत्र की कहानियों

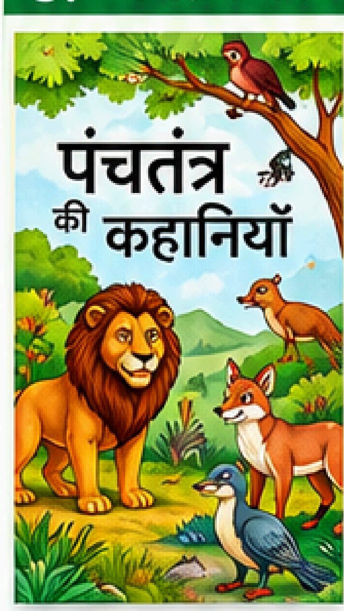

★★★★☆

भाषा: हिंदी **उम्र:** 8+ **विधा:** बाल साहित्य / नैतिक कहानियाँ

पंचतंत्र की ये कालजयी कहानियाँ सरल भाषा में मनोरंजक ढंग से महत्वपूर्ण जीवन-मूल्य सिखाती हैं। हर कहानी में एक सीख है जो रोजमर्रा के जीवन में काम आती है। यह किताब बच्चों के लिए मनोरंजन के साथ-साथ नैतिक शिक्षा का भी बेहतर माध्यम है।

मुख्य सीख

- ✅ बुद्धि और विवेक का महत्व
- ✅ मित्रता और सहयोग
- ✅ सही समय पर सही निर्णय
- ✅ सत्य और ईमानदारी

WORKSHEET : B258

1. डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम के जीवन से आपको कौन-सी बात सबसे अधिक प्रेरित करती है और क्यों?
   ____
   ____
2. चाणक्य नीति के अनुसार छात्रों के लिए सबसे महत्वपूर्ण गुण कौन-सा है? अपने शब्दों में लिखिए।
   ____
   ____
3. पंचतंत्र की किसी भी एक कहानी का नाम लिखिए और उससे मिली सीख लिखिए।
   ____
   ____

फिल्मी सफर

मनोरंजन के साथ सीख भी

ऐसी फिल्में जो आपको सोचने पर मजबूर करें, प्रेरित करें और कुछ नया सिखाएं

1. 12वीं फेल (2023)

★★★★☆

भाषा: हिंदी **उम्र:** 13+ **विधा:** प्रेरणा / वास्तविक घटना पर आधारित

यह फिल्म IPS अधिकारी मनोज कुमार शर्मा की वास्तविक जीवन यात्रा पर आधारित है, जिन्होंने अनेक असफलताओं के बावजूद हार नहीं मानी और कड़ी मेहनत से UPSC की परीक्षा पास की। यह फिल्म दिखाती है कि सही मार्गदर्शन, ईमानदारी और निरंतर मेहनत से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

आप क्या सीखेंगे?

- ✅ हार न मानने की आदत
- ✅ मेहनत और अनुशासन का महत्व
- ✅ सही संगति और सही मार्गदर्शन
- ✅ बड़े सपनों के लिए धैर्य

2. तारे ज़मीन पर (2007)

★★★★☆

भाषा: हिंदी **उम्र:** 8+ **विधा:** परिवार / संवेदनशीलता

यह फिल्म एक ऐसे बच्चे की कहानी है जिसे पढ़ाई में कठिनाई होती है, लेकिन उसकी अलग सोच और रचनात्मकता को पहचान कर वह न केवल अपनी समस्याओं से उबरता है, बल्कि अपने भीतर की प्रतिभा को भी पहचानता है। यह फिल्म हमें सिखाती है कि हर बच्चा खास होता है और उसे समझना, सहयोग देना और प्रोत्साहित करना बहुत जरूरी है।

मुख्य सीख

- ✅ हर बच्चे की अपनी प्रतिभा होती है
- ✅ सहानुभूति और धैर्य का महत्व
- ✅ पढ़ाई में कठिनाई कमजोरी नहीं है
- ✅ सही मार्गदर्शन से जीवन बदल सकता है

3. छिछोरे (2019)

★★★★☆

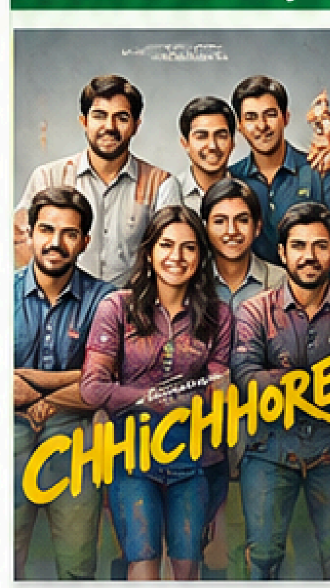

भाषा: हिंदी **उम्र:** 13+ **विधा:** दोस्ती / जीवन कौशल

यह फिल्म कुछ छात्रों की कॉलेज जीवन की कहानी है, जो असफलता, दबाव और प्रतियोगिता के बीच दोस्ती, टीमवर्क और सकारात्मक सोच की ताकत को उजागर करती है। यह संदेश देती है कि सफलता से ज्यादा जरूरी है सीखना, प्रयास करना और जीवन के हर अनुभव से आगे बढ़ना।

आप क्या सीखेंगे?

- ✅ असफलता भी सीखने का अवसर है
- ✅ दोस्ती और परिवार का महत्व
- ✅ मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना
- ✅ जीवन में संतुलन बनाना

WORKSHEET : B259

1. फिल्म '12वीं फेल' से आपको सबसे महत्वपूर्ण सीख क्या मिली?
   ____
   ____
2. 'तारे ज़मीन पर' में शिक्षक के व्यवहार ने बच्चे के जीवन में क्या बदलाव किया? अपने शब्दों में लिखिए।
   ____
   ____
3. 'छिछोरे' फिल्म यह क्यों कहती है कि असफलता अंत नहीं है? इस पर अपने विचार लिखिए।
   ____

NASA का X-59 जेट तोड़ेगा ध्वनि की दीवार

क्या आपने कभी सोचा है कि आप कुछ ही घंटों में दुनिया के किसी दूसरे देश की यात्रा कर सकें?

कल्पना कीजिए कि कोई विमान आज की तुलना में बहुत तेज गति से उड़ सके, लेकिन उसकी तेज आवाज़ से जमीन पर रहने वाले लोगों को परेशानी भी न हो। NASA इसी चुनौती का समाधान खोजने के लिए एक विशेष विमान विकसित कर रहा है, जिसे X-59 कहा जाता है।

यह कोई साधारण विमान नहीं है। यह एक प्रायोगिक सुपरसोनिक विमान है, जिसे नई तकनीकों को आजमाने के लिए बनाया गया है। NASA ने इसे विमान निर्माता कंपनी Lockheed Martin के साथ मिलकर विकसित किया है। इसका मुख्य उद्देश्य सुपरसोनिक उड़ान को अधिक शांत बनाना है

✈️ लेकिन सुपरसोनिक का मतलब क्या है?

ध्वनि हवा में एक निश्चित गति से यात्रा करती है। सामान्य परिस्थितियों में समुद्र तल के पास ध्वनि की गति लगभग 343 मीटर प्रति सेकंड, यानी लगभग 1,235 किलोमीटर प्रति घंटा होती है।

जब कोई विमान ध्वनि की गति से तेज उड़ता है, तो उसे सुपरसोनिक विमान कहा जाता है।

ध्वनि की गति से धीमी गति को Subsonic और ध्वनि की गति से तेज गति को Supersonic कहा जाता है।

याद रखें

ध्वनि की गति ≈ 1,235 km/h

यदि कोई विमान इससे तेज गति से उड़ता है, तो वह सुपरसोनिक गति पर उड़ रहा है।

🚀 X-59 की गति

5 जून 2026 को X-59 ने पहली बार ध्वनि की गति से तेज उड़ान भरी। यह उड़ान अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित Edwards Air Force Base से हुई।

NASA के परीक्षण पायलट J.B. "Clue" Less ने विमान को लगभग 81 मिनट तक उड़ाया। विमान लगभग 43,400 फीट की ऊँचाई तक गया और लगभग 1,150 किलोमीटर प्रति घंटा की गति तक पहुँचा।

यह गति ध्वनि की गति के बहुत करीब है। इसे लगभग Mach 1.1 कहा जा सकता है।

Mach क्या है?

Mach Number = विमान की गति ÷ ध्वनि की गति

इसलिए–

Mach 1 = ध्वनि की गति

Mach 1 से अधिक = सुपरसोनिक गति

भविष्य की उड़ान

यदि X-59 का परीक्षण सफल रहता है, तो भविष्य में यात्री विमान आज की तुलना में बहुत तेज गति से यात्रा कर सकते हैं।

इससे लंबी दूरी की यात्राएँ–

- ✈️ अधिक तेज
- 🌍 कम समय वाली
- 🔇 अपेक्षाकृत शांत
- 🚑 आपातकालीन सेवाओं के लिए उपयोगी

हो सकती हैं।

तेज विमान चिकित्सा सेवाओं, वैज्ञानिक अनुसंधान और अन्य महत्वपूर्ण मिशनों में भी उपयोगी हो सकते हैं।

✈️ क्या X-59 पहला सुपरसोनिक विमान है?

नहीं।

X-59 से पहले भी कई सैन्य विमान ध्वनि की गति से तेज उड़ चुके हैं। यात्री विमानों में Concorde सुपरसोनिक यात्रा का सबसे प्रसिद्ध उदाहरण था।

Concorde ने लगभग 1967 से 2003 तक उड़ान भरी।

लेकिन इसकी सबसे बड़ी समस्या थी–तेज sonic boom।

जब यह ध्वनि की गति से तेज उड़ता था, तो जमीन पर लोगों को तेज आवाज़ सुनाई देती थी। यही कारण था कि Concorde को कुछ निश्चित मार्गों पर ही उड़ने की अनुमति थी।

X-59 को इसी समस्या को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है।

✈️ क्या X-59 पहला सुपरसोनिक विमान है?

क्या आप जानते हैं?

ध्वनि की गति तापमान और ऊँचाई के साथ बदलती है।

ऊँचाई बढ़ने पर हवा ठंडी होती जाती है और ध्वनि की गति भी कम हो सकती है।

इसीलिए किसी ऊँचाई पर ध्वनि की गति समुद्र तल की तुलना में अलग हो सकती है।

आसान भाषा में:

तापमान बदलता है → ध्वनि की गति बदलती है → सुपरसोनिक उड़ान की गणना भी बदलती है।

NASA ने विमान की NOSE इतनी लंबी क्यों बनाई?

क्या आप जानते हैं?

ध्वनि की गति तापमान और ऊँचाई के साथ बदलती है।

ऊँचाई बढ़ने पर हवा ठंडी होती जाती है और ध्वनि की गति भी कम हो सकती है।

इसीलिए किसी ऊँचाई पर ध्वनि की गति समुद्र तल की तुलना में अलग हो सकती है।

आसान भाषा में:

तापमान बदलता है → ध्वनि की गति बदलती है → सुपरसोनिक उड़ान की गणना भी बदलती है।

📐 MACH NUMBER क्या बताता है?

क्या आप जानते हैं?

ध्वनि की गति तापमान और ऊँचाई के साथ बदलती है।

ऊँचाई बढ़ने पर हवा ठंडी होती जाती है और ध्वनि की गति भी कम हो सकती है।

इसीलिए किसी ऊँचाई पर ध्वनि की गति समुद्र तल की तुलना में अलग हो सकती है।

आसान भाषा में:

तापमान बदलता है → ध्वनि की गति बदलती है → सुपरसोनिक उड़ान की गणना भी बदलती है।

🌟 NOT JUST SPEED!

X-59 की कहानी केवल "कौन सबसे तेज़ उड़ सकता है?" की कहानी नहीं है।

यह एक और महत्वपूर्ण सवाल पूछती है–

"क्या हम तेज़ तकनीक को लोगों के लिए बेहतर और शांत भी बना सकते हैं?"

यही वैज्ञानिक innovation की खासियत है।

Speed + Safety + Science + People

जब ये चारों साथ आते हैं, तभी कोई तकनीक वास्तव में उपयोगी बनती है।

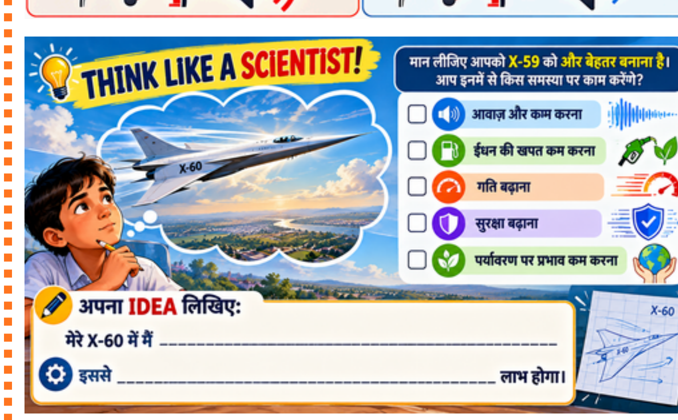

हिमालय—जहाँ बर्फ से निकलती हैं एशिया की जीवनदायिनी नदियाँ

क्या हिमालय केवल ऊँचे पहाड़ों की एक श्रृंखला है?

भारत के उत्तर में फैली हिमालय पर्वतमाला केवल बर्फ से ढके सुंदर पहाड़ों का समूह नहीं है। यह एशिया की जल-व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। हिमालय और उससे जुड़े Hindu Kush-Karakoram क्षेत्र में विशाल हिमनद, बर्फ और जल-स्रोत मौजूद हैं। इसी क्षेत्र से निकलने वाली नदियाँ करोड़ों लोगों के लिए पीने का पानी, सिंचाई, जलविद्युत और आजीविका उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

इसीलिए हिमालयी क्षेत्र को अक्सर "Water Tower of Asia" – एशिया का जल टावर कहा जाता है। व्यापक Hindu Kush Himalayan क्षेत्र को पृथ्वी के ध्रुवीय क्षेत्रों के बाहर सबसे बड़े बर्फीले क्षेत्रों में से एक माना जाता है।

🗺️ हिमालय कहाँ स्थित है?

हिमालय लगभग पश्चिम से पूर्व दिशा में भारतीय उपमहाद्वीप के उत्तरी भाग के साथ फैला हुआ है।

यह क्षेत्र मुख्य रूप से–

- 🇮🇳 भारत
- 🇳🇵 नेपाल
- 🇧🇹 भूटान
- 🇨🇳 चीन
- 🇵🇰 पाकिस्तान

और आसपास के पर्वतीय क्षेत्रों से जुड़ा हुआ है।

हिमालय के तीन प्रमुख समानांतर पर्वत-क्षेत्रों को सामान्यतः इस प्रकार समझाया जाता है–

1. हिमाद्रि
सबसे ऊँची पर्वत श्रेणी।

2. हिमाचल
मध्य हिमालय का पर्वतीय क्षेत्र।

3. शिवालिक
हिमालय की बाहरी और अपेक्षाकृत निचली श्रेणी।

🌏 क्या आप जानते हैं?

हिमालयी क्षेत्र में दुनिया की कुछ सबसे ऊँची चोटियाँ स्थित हैं।
Mount Everest पृथ्वी की सबसे ऊँची पर्वत चोटी है।

💧 लेकिन पानी कहाँ से आता है?

सर्दियों में ऊँचे पर्वतीय क्षेत्रों में भारी मात्रा में बर्फबारी होती है।
समय के साथ जमा हुई बर्फ दबकर और पुनः क्रिस्टलीकृत होकर विशाल Glaciers – हिमनद बनाती है।
जब तापमान बढ़ता है, तो बर्फ और हिम का कुछ हिस्सा पिघलता है।
Snow + Ice → Meltwater → Streams → Rivers
यही पानी आगे चलकर बड़ी नदी प्रणालियों का हिस्सा बनता है।
हिमनदों का पानी विशेष रूप से उन क्षेत्रों में महत्वपूर्ण हो सकता है जहाँ वर्षा का वितरण पूरे वर्ष समान नहीं होता

🧊 GLACIER क्या होता है?

हिमनद केवल जमी हुई बर्फ का ढेर नहीं होता।
यह बर्फ का एक विशाल द्रव्यमान है जो कई वर्षों और सदियों तक जमा हुई बर्फ के दबाव और पुनःक्रिस्टलीकरण से बनता है।
हिमनद बहुत धीरे-धीरे नीचे की ओर खिसकते भी हैं।
आसान भाषा में–

बर्फ जमा होती है
↓
दबाव बढ़ता है
↓
बर्फ सघन होती है
↓
हिमनद बनता है
↓
हिमनद धीरे-धीरे गति करता है

UNEP के अनुसार glaciers कई दशकों और सदियों में जमा हुई बर्फ के compact और recrystallize होने से बनते हैं।

🌡️ ग्लेशियर क्यों बदल रहे हैं?

पिछले कुछ दशकों में दुनिया के अनेक पर्वतीय क्षेत्रों के glaciers पीछे हट रहे हैं।

WMO की State of the Climate in Asia 2025 रिपोर्ट के अनुसार High Mountain Asia में glaciers का retreat जारी है। 2025 के glaciological year में रिपोर्ट किए गए सभी 23 monitored glaciers ने mass loss दर्ज किया। कम winter snowfall और कई क्षेत्रों में अधिक गर्मी ने glacier mass loss को बढ़ाया।

इसका मतलब क्या है?

अगर glacier लगातार अपना mass खोता है, तो लंबे समय में उस क्षेत्र के जल चक्र और downstream water availability पर प्रभाव पड़ सकता है।

इससे केवल पहाड़ों पर रहने वाले लोग प्रभावित नहीं होते। नदी घाटियों में रहने वाले शहर, गाँव और किसान भी प्रभावित हो सकते हैं।

⚠️ जब बर्फ़ बहुत तेज़ी से पिघलती है

हिमनदों के पिघलने का प्रभाव हमेशा एक जैसा नहीं होता।
कुछ परिस्थितियों में तेज़ glacier melt और बर्फ के पिघले पानी से नदियों में पानी की मात्रा अस्थायी रूप से बढ़ सकती है।
लेकिन लंबे समय में glacier का आकार लगातार कम होता रहे तो सूखे मौसम में उपलब्ध meltwater घटने का जोखिम बढ़ सकता है।
इसके अलावा glacier के पास बनने वाली झीलें भी चिंता का विषय हो सकती हैं।

Glacial Lake Outburst Flood – GLOF
जब किसी glacier के पास बनी झील का पानी अचानक बाहर निकलता है, तो बहुत तेज़ बाढ़ आ सकती है।
WMO के अनुसार बढ़ते तापमान से glaciers, snow conditions और mountain slopes में बदलाव हो रहे हैं, जिससे कुछ क्षेत्रों में GLOF और landslide hazards का जोखिम बढ़ सकता है।

⭐ हिमालय सिर्फ़ पहाड़ नहीं है!

हिमालय हमें केवल ऊँचाई का रिकॉर्ड नहीं देता।
यह हमें सिखाता है कि–
Mountain → Glacier → River → Agriculture → People → Economy
ये सभी एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।
अगर पर्वतों की बर्फ और जल-व्यवस्था में बदलाव आता है, तो उसका प्रभाव पहाड़ों से बहुत दूर रहने वाले लोगों तक भी पहुँच सकता है।
इसीलिए हिमालय की रक्षा केवल mountain conservation का विषय नहीं, बल्कि water security और human well-being का भी विषय है।

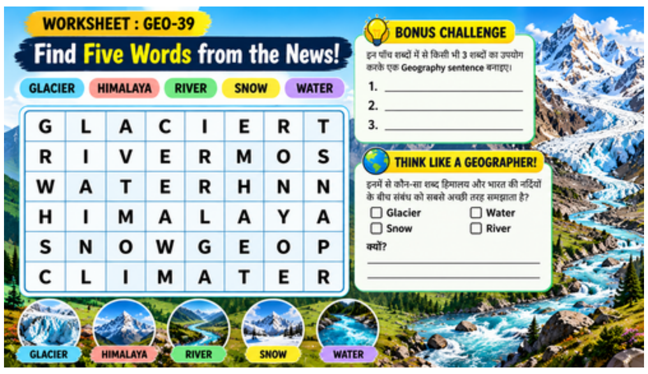

दुनिया की कई भाषाओं में मिले एक जैसे व्याकरण पैटर्न

वैज्ञानिकों ने दुनिया भर की कई भाषाओं का अध्ययन करके पाया कि अलग-अलग भाषाओं में भी व्याकरण के नियम (Grammar Patterns) बहुत मिलते-जुलते होते हैं। इनमें बोलने का अंदाज, वाक्य बनाने का तरीका और शब्दों का क्रम शामिल है। यह शोध अंग्रेज़ी, हिंदी, रोमन, जापानी, स्वाहिली, स्पेनिश और तुर्की जैसी भाषाओं पर किया गया।

दुनिया की भाषाएं भले अलग हों, लेकिन सोचने और कहने का तरीका कई जहों पर समान है!

शोधकर्ताओं ने क्या पाया?

शोधकर्ताओं ने कम्प्यूटर की मदद से कई भाषाओं के लाखों वाक्यों का विश्लेषण किया। इसके बाद उन्होंने शब्दों का क्रम, व्याकरणिक संरचना और वाक्य पैटर्न की तुलना की। परिणाम से पता चला कि बहुत सी भाषाओं में व्याकरण के पैटर्न एक जैसे हैं।

यह खोज महत्वपूर्ण क्यों है?

यह खोज भाषाओं के विकास, उनकी उत्पत्ति और मानव सोचने के तरीके को समझने में मदद करती है। इससे यह भी पता चलता है कि अलग-अलग संस्कृतियों के लोग एक जैसे व्याकरणिक पैटर्न क्यों अपनाते हैं। इससे भाषा सीखने में आसानी, अनुवाद तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के विकास में मदद मिल सकती है।

उन्होंने कैसे पता लगाया?

शोधकर्ताओं ने दुनिया भर की भाषाओं के डेटा को कंप्यूटर मॉडल से विश्लेषित किया। फिर उन्होंने देखा कि कौन-से व्याकरण नियम कई भाषाओं में समान हैं। इससे उन्हें कुछ "छिपे हुए व्याकरण पैटर्न" (Hidden Grammar Patterns) मिले, जो पहले स्पष्ट रूप से ज्ञात नहीं थे।

सोचिए!

अगर दुनिया की भाषाओं में कुछ नियम समान हैं, तो इससे हमें मानव समाज के बारे में क्या समझ मिली है? अपने विचार लिखिए।

भारत की राष्ट्रीय संस्था संगीत नाटक अकादमी ने इस वर्ष अपने प्रतिष्ठित फेलोशिप और पुरस्कारों की घोषणा की है। यह सम्मान देश की समृद्ध और विविध कला परंपराओं को संरक्षित रखने वाले कलाकारों को दिया जाता है।

फेलोशिप से सम्मानित कलाकार

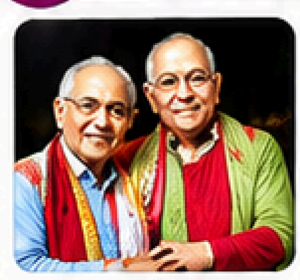

रामलाल बरेठ और पंडित दुर्गलाल देवराज (संयुक्त रूप से)
लोकनाट्य परंपरा से अद्वितीय योगदान के लिए

ए. वी. आनंद (AV Anand)
कर्नाटक संगीत के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए

रीता गांगुली
भारतीय शास्त्रीय नृत्य के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए

पुरस्कार प्राप्त प्रमुख कलाकार

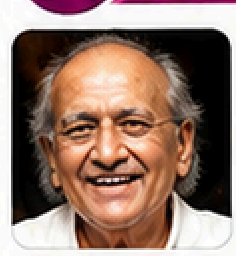

चितरंजन त्रिपाठी (शास्त्रीय संगीत)

पौनरवी निताईत शर्मा (लोकनाट्य)

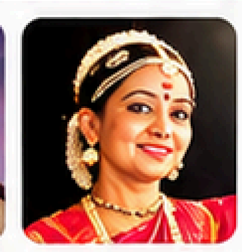

सुधा रघुपती (शास्त्रीय नृत्य)

भरत खुबचंद (नाटक)

संगीत नाटक अकादमी के बारे में

संगीत नाटक अकादमी भारत की राष्ट्रीय अकादमी है, जिसकी स्थापना 1953 में हुई थी। इसका उद्देश्य देश की संगीत, नाटक और नृत्य की समृद्ध परंपराओं को संरक्षित, प्रोत्साहित और प्रसारित करना है।

पुरस्कार क्यों महत्वपूर्ण हैं?

- ये पुरस्कार भारतीय कला और संस्कृति को सम्मान और पहचान देते हैं।
- ये युवा कलाकारों को प्रेरित करते हैं।
- ये पारंपरिक और लोक कलाओं के संरक्षण में मदद करते हैं।
- ये विविध कला रूपों के बीच संवाद और सहयोग को बढ़ावा देते हैं।

इस वर्ष कुल सात फेलोशिप

- रामलाल बरेठ – लोकनाट्य (कठपुतली परंपरा)
- ए. वी. आनंद – कर्नाटक संगीत
- रीता गांगुली – शास्त्रीय नृत्य
- पंडित दुर्गलाल देवराव–लोकनाट्य (कठपुतली परंपरा)

पुरस्कार पाने वाले कलाकार

- **चितरंजन त्रिपाठी** – शास्त्रीय संगीत
- **पौनरवी निताईत शर्मा** – लोकनाट्य
- **सुधा रघुपती** – शास्त्रीय नृत्य
- **भरत खुबचंद** – नाटक

कार्यपत्रक : ACI-39

1. संगीत नाटक अकादमी का मुख्य उद्देश्य क्या है?
2. फेलोशिप और पुरस्कार क्यों दिए जाते हैं?______
3. इन कलाकारों के कार्य से हमें क्या सीख मिलती है?

____

____

____

अधिक जानिए

भारत की कला परंपराओं के बारे में और जानने के लिए QR कोड स्कैन करें।

विश्व इतिहास

महान पिरामिड कैसे बना?

एक नया विचार देता है सुराग

मिस्र का गीजा पिरामिड दुनिया के सबसे अद्भुत निर्माणों में से एक है। लेकिन इसे लगभग 4,500 साल पहले कैसे बनाया गया? एक नई खोज इस रहस्य पर रोशनी डालती है।

कक्षा 6+ इतिहास का अद्भुत स्रोत

गीजा का महान पिरामिड (Great Pyramid of Giza) प्राचीन विश्व के सात आश्चर्यों में से एक है। यह लगभग 2.56 मिलियन (25 लाख) पत्थर के खंडों से बनाया गया था। माना जाता है कि इसका निर्माण करीब 4,500 साल पहले फिराउन (राजा) खूफू (Khufu) के लिए किया गया।

नया विचार क्या कहता है?

एक हालिया शोध के अनुसार, पिरामिड के निर्माण में बड़ी संख्या में श्रमिक पत्थरों को खींचने के लिए ढलान (ramp) का उपयोग करते थे। ऐसा संभव है कि ये ढलान सीधी न होकर घुमावदार (spiral) रूप में बने हों, जो पिरामिड के बाहर से ऊपर तक जाते थे। इससे कम जगह में ऊँचाई पाना आसान हो जाता था।

संभावित निर्माण तकनीकें

सीधी ढलान

भूमि से ऊपर तक एक लंबी सीधी ढलान बनाई जाती थी, जिस पर पत्थर खींचे जाते थे।

घुमावदार ढलान

कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि ढलान पिरामिड के बाहर घूमती हुई ऊपर तक जाती थी।

आंतरिक ढलान

एक विचार यह भी है कि ढलान पिरामिड के अंदर ही बनाई गई थी, जिससे बाहरी भाग समतल दिखे।

यह खोज क्यों महत्वपूर्ण हैं?

- यह बताती है कि प्राचीन मिस्रवासी कितने कुशल इंजीनियर थे।
- इससे हमें समझने में मदद मिलती है कि सीमित संसाधनों में भी बड़े निर्माण संभव हैं।
- यह मानव इतिहास की इंजीनियरिंग क्षमता का अद्भुत उदाहरण है।

पिरामिड के बारे में रोचक तथ्य

- **मूल ऊँचाई:** लगभग 146 मीटर (अब ~138 मीटर)
- **पत्थरों की संख्या:** ~25 लाख
- **औसत वजन:** 2.5 टन प्रति पत्थर
- **निर्माण समय:** लगभग 20 वर्ष (अनुमान)
- **इसे बनाने वाले:** कुशल श्रमिक, इंजीनियर और संगठित टीम।

सोचिए और बताइए!

1. आपके अनुसार पिरामिड बनाने के लिए कौन-सी तकनीक सबसे व्यावहारिक थी? क्यों?
2. आज के समय में ऐसे किसी बड़े निर्माण के लिए किन तकनीकों का उपयोग किया जा सकता है?

जलवायु, प्रतियोगिता और संबंध

निएंडरथल का रहस्य

एक नई खोज बताती है कि निएंडरथल ने कठिन परिस्थितियों में भी कैसे किया जीवन

कक्षा 6+ प्रागैतिहासिक मानव

निएंडरथल (Neanderthal) हमारे प्राचीन मानव संबंधी हैं, जो यूरोप और एशिया के ठंडे क्षेत्रों में रहते थे। वे मजबूत, बुद्धिमान और कुशल शिकारी थे। नए शोध बताते हैं कि उन्होंने बदलती जलवायु, दूसरी मानव प्रजातियों (जैसे होमो सेपियन्स) और संसाधनों की कमी के बावजूद हजारों वर्षों तक जीवन बनाए रखा।

वे कैसे जीवित रहे?

बदलती जलवायु

वे हिमयुग जैसी ठंडी जलवायु में भी अनुकूलन कर सके। उन्होंने कपड़े, आवास और आग का उपयोग किया।

प्रतिस्पर्धा

उन्हें भोजन और संसाधनों के लिए अन्य मानव प्रजातियों से प्रतिस्पर्धा करनी पड़ी।

सहयोग और समूह

वे समूह में रहते थे, मिलकर शिकार करते थे और एक-दूसरे की मदद करते थे।

स्थानीय संसाधनों का उपयोग

उन्होंने उपलब्ध पत्थर, हड्डी और लकड़ी से उपकरण बनाकर अपने जीवन को आसान बनाया।

शब्द खोज (Word Search)

इन बॉक्स में 5 शब्द खोंलिए:

मानव • औजार • शिकार • जलवायु • समूह

म	ा	न	व	ज	नू	ल
श	ि	का	र	म	मू	ह
औ	ज	ा	र	द	व	यु
स	मू	हू	ह	व	श	ि
ज	ल	वा	यु	न	र	श

वैज्ञानिकों ने क्या पाया?

- खुदाई में मिले उपकरण, हड्डियों और आवास के अवशेष उनके जीवन जीने के तरीकों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी देते हैं।
- उनके डीएनए (DNA) के अध्ययन से पता चलता है कि उनके जीनोम में हमारे साथ कुछ आनुवंशिक संबंध भी थे।
- ये खोज बताती हैं कि निएंडरथल केवल "जीवित रहने" के लिए नहीं, बल्कि सीखने, अनुकूलन और सहयोग के लिए भी जाने जाते थे।

3 प्रमुख कारण

1. **जलवायु अनुकूलन**
   कठिन परिस्थितियों में ढलने की क्षमता।
2. **संसाधनों के लिए प्रतिस्पर्धा**
   अन्य प्रजातियों और पर्यावरणीय चुनौतियों से मुकाबला।
3. **सहयोग और ज्ञान**
   समूह में रहने, उपकरण बनाने और अनुभव साझा करने की क्षमता।

चिंतन गतिविधि

1. निएंडरथल से हमें आज के समय में क्या सीख मिलती है?

   ____

   ____

2. जलवायु परिवर्तन आज भी हमारे जीवन को कैसे प्रभावित कर सकता है?

   ____

   ____

   ____

अखबार से लिपटा खाना क्यों खतरनाक?

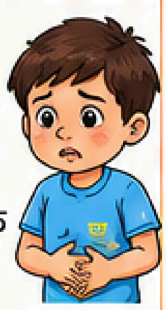

अखबार पढ़ने के लिए बनाए जाते हैं, खाद्य सामग्री के संपर्क के लिए नहीं। इनमें छपी स्याही में हानिकारक रसायन हो सकते हैं, जो भोजन में जा सकते हैं और हमारी सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं।

- स्याही में हानिकारक रसायन हो सकते हैं।
- भोजन में संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है।
- पेट से जुड़ी बीमारियों हो सकती हैं।
- यह बच्चों के लिए विशेष रूप से असुरक्षित हैं।

FSSAI का नया नियम

FSSAI ने समोसा, पकौड़ा, वड़ा पाव, कचौरी, बर्गर, फ्रेंच फ्राइज़ जैसी तैयार-खाने वाली चीज़ों को लपेटने, परसने या रखने के लिए अखबार के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया हैं। सभी खाद्य व्यवसायों को खाद्य सुरक्षा नियमों का पालन करना अनिवार्य हैं।

सुरक्षित विकल्प अपनाएँ

फूड ग्रेड पैपर

पत्तल / दोने

एल्युमिनियम फॉयल कंटेनर

फूड ग्रेड बॉक्स

सुरक्षित पैकेजिंग = सुरक्षित भोजन = स्वस्थ समाज

हम क्या कर सकते हैं?

- खाना खरीदते समय सुरक्षित पैकेजिंग की मांग करें।
- दुकानदारों को जागरूक करें।
- पर्यावरण के अनुकूल विकल्प अपनाएँ।
- अपने परिवार और दोस्तों को इसके बारें में बताएं।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा?

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सुरक्षित और सुगम फुटपाथ हर नागरिक का मूलभूत अधिकार हैं। फुटपाथ केवल चलने के लिए नहीं, बल्कि सभी के लिए सुरक्षित, बाधा-रहित और समावेशी होने चाहिए, ताकि बच्चे, बुजुर्ग और दिव्यांगजन भी आसामी से इनका उपयोग कर सकें।

फुटपाथ क्यों महत्वपूर्ण हैं?

- **पैदल यात्रियों की सुरक्षा**
- स्वस्थ जीवन के लिए चलना-फिरना ज़रूरी
- बच्चों, बुजुर्गों और दिव्यांगजनों के लिए सुगम रास्ते
- कम सड़क दुर्घटनाएँ
- शहरों को अधिक व्यवस्थित और रहने योग्य बनाते हैं।

सभी के लिए समावेशी शहर

फुटपाथ ऐसे होने चाहिए जो सभी के लिए सुरक्षित, आरामदायक और बिना बाधा के हों — यही एक समावेशी और बेहतर शहर की पहचान हैं।

गतिविधि 1 : शब्द खोजें

नीचे दिए गए शब्दों को खोजकर गोला लगाइए—

- अखबार
- खाद्य
- सुरक्षा
- फुटपाथ
- नियम
- स्वास्थ्य

अ	फ	खा	द्व	य	न
स	खु	ल	म	फु	ट
न	रा	ब	स	वा	प
य	खा	द्य	थ	स	स
स	णि	य	म	र	क्षा
स्वा	स	स्थ	अ	ग	म

गतिविधि 2 : सोचिए और लिखिए

1 अपने शहर/गाँव में फुटपाथ को और सुरक्षित बनाने के लिए आप तीन सुझाव क्या देंगे?

1. ____________________
2. ____________________
3. ____________________
4. ____________________

मुख्य संदेश

- स्वस्थ भोजन के लिए सुरक्षित पैकेजिंग का उपयोग करें।
- सुरक्षित और समावेशी फुटपाथ स्वस्थ और सुरक्षित समाज की नींव हैं।
- हम सब मिलवर अपने शहरों और समुदायों को बेहतर, सुरक्षित और स्वास्थ्यकर बना सकते हैं।

प्रेरणा की उड़ान
छोटी उम्र, बड़े सपने!
भारत के युवा वैज्ञानिकों ने दुनिया में रचा नया इतिहास

भारत के युवा वैज्ञानिक — जिज्ञासा से उपलब्धि तक।

12 स्वर्ण पदक GOLD MEDAL

7 रजत पदक SILVER MEDAL

- Physics Olympiad
- Chemistry Olympiad
- Biology Olympiad
- Mathematics Olympiad

2026 में भारत के युवा वैज्ञानिकों ने International Science और Mathematics Olympiads में शानदार प्रदर्शन किया। Physics, Chemistry, Biology और Mathematics की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारतीय विद्यार्थियों ने कुल 12 **स्वर्ण** और 7 रजत पदक जीते। Physics Olympiad में भारत के सभी पांच प्रतिभागियों ने **स्वर्ण** पदक हासिल किया, जबकि Chemistry Olympiad में भी सभी चार भारतीय प्रतिभागियों ने Gold Medal जीता।

इन विद्यार्थियों की सफलता केवल पदकों की कहानी नहीं है। इसके पीछे वर्षों की तैयारी, कठिन सवालों से जूझने की आदत, लगातार अभ्यास और कुछ नया जानने की जिज्ञासा छिपी है। उनकी मेहनत को देश ने भी सम्मान दिया और 15 **अगस्त** 2026 को स्वतंत्रता दिवस समारोह में उन्हें लाल किले पर विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया।

इन युवा achievers की कहानी हर विद्यार्थी से एक सवाल पूछती है —
"अगर वे अपने सवालों का पीछा कर सकते हैं, तो आप क्यों नहीं?"

शुरुआत किसी बड़े लक्ष्य से नहीं, बल्कि एक **छोटे सवाल** और उसे समझने की कोशिश से होती है।

हर बड़ी खोज की शुरुआत एक सवाल से होती है।

POWER WORDS

Curiosity (जिज्ञासा)	किसी चीज को जानने की उत्सुकता।
Persistence (दृढ़ता)	मुश्किल आने पर भी प्रयास करते रहना।
Discovery (खोज)	नई जानकारी या समाधान प्राप्त करना।
Excellence (उत्कृष्टता)	क्याने काम को लगातार बेहतर बनाने का प्रयास।

WORKSHEET • मेरा सवाल, मेरी खोज

आज मुझे किस चीज के बारे में जानना है?

मेरा सवाल: ____________________

मैं इसका उत्तर कहां खोजुंगा/खोजुंगी?

☐ किताब ☐ शिक्षक ☐ इंटरनेट ☐ प्रयोग

मैंने क्या नया सीखा? ____________________

क्या मैं इसे अपने दोस्त को समझा सकता/सकती हूँ?

☐ हां ☐ अभी और सीखना है

एक शिक्षक, जिसने बच्चों को बदलाव का हिस्सा बनाया
SOMA MANDAL:
जब कक्षा बनी बदलाव की प्रयोगशाला

जब classroom में सवाल उठते हैं, तो ideas जन्म लेते है।

क्या Science केवल किताब में पढ़ने का विषय है?

Soma Mandal, दिल्ली की एक Science Teacher, ने अपने विद्यार्थियों को पर्यावरण और जलवायु से जुड़ी वास्तविक समस्याओं को समझने और उनके समाधान पर काम करने के लिए प्रेरित किया। 2026 में उन्हें **Cambridge Dedicated Teacher Awards** का **Global Winner** चुना गया। वे इस सम्मान की पहली भारतीय overall winner बनीं।

उन्होंने Science को केवल पाठ्यपुस्तक तक सीमित रखने के बजाय hands-on projects, inquiry और collaborative learning के माध्यम से विद्यार्थियों से जोड़ा। उनके विद्यार्थियों ने sustainability, green energy, **biodiversity** और **climate awareness** जैसे विषयों पर projects के माध्यम से सीखने का प्रयास किया।

Soma की कहानी हमें बताती है कि एक विद्यार्थी केवल परीक्षा देने वाला learner नहीं होता। वह —

- ☑ सवाल पूछ सकता है।
- ☑ समस्या पहचान सकता है।
- ☑ नया विचार दे सकता है।
- ☑ और बदलाव की शुरुआत कर सकता है।

POWER WORDS

Inspire (प्रेरित करना)	Sustainability (सततता)	Innovation (नवाचार)	Teamwork (सहयोग)
किसी को बेहतर करने के लिए उत्साहित करना।	प्रकृति और संसाधनों का समझदारी से उपयोग करना।	किसी समस्या के लिए नया और उपयोगी तरीका खोजना।	मिलकर किसी लक्ष्य की ओर काम करना।

WORKSHEET • बनिए CHANGE-MAKER!

मेरे स्कूल की एक समस्या

PROBLEM हमारे स्कूल में ____________________

WHY? यह समस्या क्यों होती है? ____________________

MY IDEA मैं इसे बेहतर बनाने के लिए – ____________________

MY TEAM मेरे साथ काम करेंगे – ____________________

MY FIRST STEP मैं सबसे पहले – ____________________

"सफलता हमेशा बड़े कदम से शुरू नहीं होती। कभी-कभी एक सवाल, एक कोशिश और एक छोटा-सा विचार ही काफी होता है।"

ASK (सवाल पूछो) | LEARN (सीखो) | TRY (कोशिश करो) | FAIL (हारो) | IMPROVE (बेहतर बनो) | GROW (आगे बढ़ो)

आपकी शुरुआत छोटी हो सकती है, लेकिन आपका सपना नहीं!

एक अदृश्य दुनिया का रहस्य

हमारे पैरों के नीचे मिट्टी में एक विशाल फफूंद नेटवर्क मौजूद है, जिसे वैज्ञानिक **'Wood Wide Web'** भी कहते हैं। फफूंद की महीन जड़-जैसी संरचनाएं (तंतु) मिट्टी में दूर-दूर तक फैली रहती हैं। ये तंतु विभिन्न पौधों और पेड़ों की जड़ों को जोड़कर उनके बीच पानी, पोषक तत्व और सूचनाएं साझा करने में मदद करते हैं। यह नेटवर्क जंगलों को स्वस्थ और संतुलित बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

POWER WORDS

Fungus (फफूंद)	एक जीव जो मिट्टी में उगता है और जैविक पदार्थों को तोड़ता है।
Mycelium (माइसीलियम)	फफूंद के महीन तंतु, जो मिट्टी में फैलते हैं।
Network (नेटवर्क)	आपस में जुड़े संरचनाओं का समूह।
Nutrient (पोषक तत्व)	विकास के लिए आवश्यक भोजन सदृश तत्व।

फफूंद नेटवर्क क्या है?

फफूंद की महीन तंतु (hyphae) मिट्टी में फैलकर कई पौधों की जड़ों से जुड़ जाते हैं। यह एक प्राकृतिक नेटवर्क है जिससे पौधे आपस में पोषक तत्व, पानी और संकेतों का आदान-प्रदान करते हैं।

यह कैसे काम करता है?

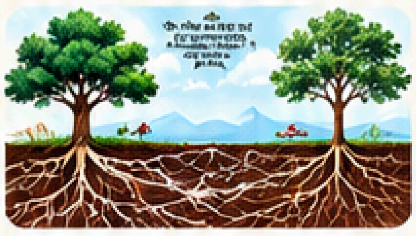

एक पेड़ द्वारा बनाए गए अतिरिक्त पोषक तत्व, नेटवर्क के माध्यम से दूसरे पेड़ों तक पहुँच जाते हैं, खासकर उन पौधों तक जो कमजोर या छोटे होते हैं।

यह क्यों महत्वपूर्ण है?

- पौधों की वृद्धि में मदद करता है।
- बीमारियों से बचाव में सहायक है।
- जंगलों की जैव विविधता और स्थिरता बनाए रखता है।
- सूखा या कठिन परिस्थितियों में भी पौधों को जीवित रहने में मदद करता है।

सोचिए और बताइए!

1. आपके अनुसार फफूंद नेटवर्क जंगल के लिए कितना महत्वपूर्ण है?
2. क्या ऐसे नेटवर्क से पौधे जलवायु परिवर्तन के समय में भी जीवित रह सकते हैं? कैसे?

रामसर स्थल क्या है?

रामसर स्थल (Ramsar Site) वे आर्द्रभूमि (Wetlands) हैं, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय महत्व के कारण 'रामसर कन्वेंशन' के तहत संरक्षित किया जाता है। इनका नाम 1971 में ईरान के शहर रामसर में हुए अंतरराष्ट्रीय समझौते से लिया गया है।

भारत का 100वाँ रामसर स्थल

हाल ही में राजस्थान के फलौदी क्षेत्र में स्थित **खींचन** (Kheechan) **आर्द्रभूमि** को भारत का 100वें रामसर स्थल घोषित किया गया है। यह क्षेत्र प्रवासी पक्षियों, विशेषकर डेमोइजेल क्रेन (करसी पक्षी) के लिए प्रसिद्ध है।

रामसर स्थल क्यों ज़रूरी हैं?

- जैव विविधता का संरक्षण करते हैं।
- बाढ़ और सूखे जैसी। प्राकृतिक आपदाओं को कम करने में मदद करते हैं।
- स्थानीय लोगों की आजीविका और पर्यावरणीय संतुलन के लिए महत्वपूर्ण हैं।
- कार्बन भंडारण में सहायक होते हैं और जलवायु परिवर्तन से निपटने में मदद करते हैं।

भारत के कुछ प्रमुख रामसर स्थल

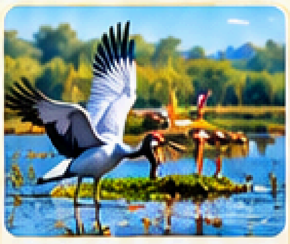
केओलादेव राष्ट्रीय उद्यान (राजस्थान)

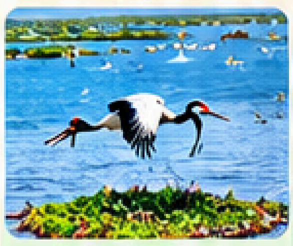
चिल्का झील (ओडिशा)

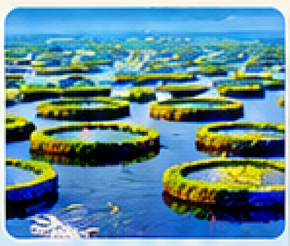
लोकटक झील (मणिपुर)

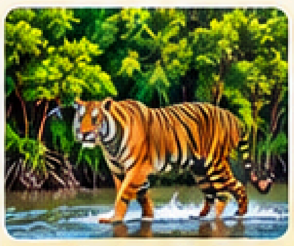
सुंदरवन आर्द्रभूमि (पश्चिम बंगाल)

करें गतिविधि – बनिए 'वेटलैंड मित्र'

1. अपने आसपास के किसी तालाब/झील का निरीक्षण करें और वहाँ पाए जाने वाले 5 जीवों (पक्षी/पौधे/कीट) की सूची बनाइए।
2. एक पोस्टर बनाइए – "आर्द्रभूमि बचाएँ, प्रकृति का संतुलन बनाएँ।"
3. सोचिए – यदि ये आर्द्रभूमियाँ न रहें, तो हमारे पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ेगा?

स्वस्थ आर्द्रभूमि, सुरक्षित भविष्य

प्रकृति का सम्मान करें, आर्द्रभूमियों का संरक्षण करें, क्योंकि इनसे ही जीवन का संतुलन बना रहता है।

प्रतिभा

जहाँ से शुरुआत हुई, वहीं से पहचान बनी

बिहार के स्कूलों से राष्ट्रीय मंच तक पहुँची प्रेरणा की तीन कहानियाँ

छोटे विद्यालय, बड़े सपने!

कहानी 1 पटना की रिद्धि ने धरती को समझते-समझते दुनिया को चौंकाया

एक विद्यार्थी • एक जिज्ञासा • एक अंतरराष्ट्रीय पदक

पटना के ज्ञान अस्थली इंटरनेशनल स्कूल की छात्रा रिद्धि रंजन ने 2026 की अंतरराष्ट्रीय पृथ्वी विज्ञान ओलंपियाड (IESO) में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए एक स्वर्ण और एक रजत पदक जीता।

20 से 27 अगस्त 2026 तक इटली के ट्यूरिन में आयोजित इस प्रतियोगिता में 39 देशों के विद्यार्थी शामिल हुए। भारत ने इस ओलंपियाड में अपने इतिहास का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए **4 स्वर्ण, 3 रजत और 2 कांस्य— कुल 9 पदक जीते।**

लगभग 17,800 विद्यार्थियों ने देशव्यापी प्रारंभिक चयन में भाग लिया। इनमें से चुने गए विद्यार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया और फिर भारत की टीम का हिस्सा बने।

रिद्धि रंजन
कक्षा 9, ज्ञान अस्थली इंटरनेशनल स्कूल, पटना

रिद्धि की उपलब्धि हमें याद दिलाती है कि अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुँचने के लिए शुरुआत किसी बड़ी प्रयोगशाला से नहीं, एक विद्यार्थी की जिज्ञासा से होती है।

भारत की ऐतिहासिक उपलब्धि

9 पदक

4 स्वर्ण	3 रजत	2 कांस्य

39 देशों के बीच अंतरराष्ट्रीय पृथ्वी विज्ञान ओलंपियाड 2026 में भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन।

सोचिए...

आपके आसपास मिट्टी, बारिश, नदी, मौसम, पेड़-पौधे और जमीन में होने वाले बदलाव—क्या ये भी विज्ञान के विषय नहीं हैं?

विज्ञान केवल किताब में नहीं है, विज्ञान हमारे आसपास है।

रिद्धि से सीखें

- **देखो** — अपने आसपास की चीजों को ध्यान से देखो।
- **पूछो** — "ऐसा क्यों होता है?"
- **समझो** — उत्तर खोजने की कोशिश करो।
- **आजमाओ** — प्रयोग करो और अपनी गलतियों से सीखो।

दो शिक्षिकाएँ, दो कहानियाँ

बिहार की बेटियों ने शिक्षक दिवस पर बढ़ाया राज्य का मान

5 सितंबर 2026 को शिक्षक दिवस के अवसर पर नई दिल्ली के विज्ञान भवन में देशभर के 48 स्कूली शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार प्रदान किए गए। बिहार से इस सूची में **पुष्पा प्रसाद** और **खुशबू कुमारी** का चयन हुआ। दोनों शिक्षिकाओं की उपलब्धि केवल एक पुरस्कार की कहानी नहीं है, यह इस बात का उदाहरण है कि विद्यालय, विद्यार्थी और समाज के प्रति लगातार किया गया कार्य धीरे-धीरे बड़ी पहचान बन सकता है।

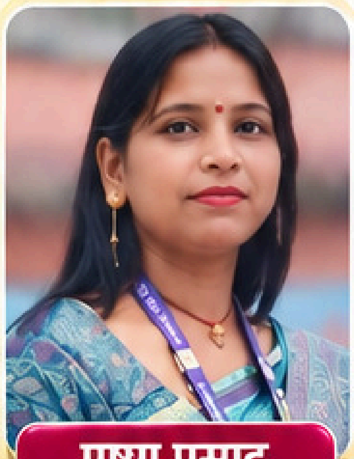

पुष्पा प्रसाद
कुचायकोट, गोपालगंज
मध्य विद्यालय कुचायकोट कन्या

पुष्पा प्रसाद का सफर बच्चों को सीखने के बेहतर अवसर देने की प्रतिबद्धता से जुड़ा रहा है। कंप्यूटर शिक्षा में प्रशिक्षण के बाद उन्होंने शिक्षण को अपना कार्य क्षेत्र बनाया। विद्यालय में विषय शिक्षण के साथ वे विद्यार्थियों की रचनात्मक गतिविधियों से भी जुड़ी रही हैं।

उनकी कहानी हमें बताती है—
"अपने पास मौजूद साधनों से शुरुआत कीजिए; निरंतरता ही काम को पहचान देती है।"

मेरी सीख:
एक शिक्षक का सबसे बड़ा पुरस्कार उसके विद्यार्थियों की प्रगति हो सकती है।

विद्यालय → मेहनत → विद्यार्थी → प्रभाव → सम्मान

खुशबू कुमारी
बिदायडीह, बिहार
उर्दू प्राथमिक विद्यालय विदायडीह

खुशबू कुमारी 2026 के राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए चुनी गईं। उनका नाम बिहार के उन शिक्षकों के साथ सामने आया जिन्होंने विद्यालयी शिक्षा में अपने योगदान के लिए राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई।

उनकी उपलब्धि विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश देती है—
"किसी भी विद्यालय से सीखने की बड़ी यात्रा शुरु हो सकती है!"

मेरी सीख:
अच्छा शिक्षक केवल पाठ नहीं पढ़ाता, वह बच्चों में आगे बढ़ने का विश्वास भी पैदा करता है।

2 शिक्षिकाएँ 1 प्रेरणा
शिक्षा बदल सकती है जीवन

"राष्ट्रीय सम्मान से बड़ी बात है— विद्यार्थियों के जीवन में छोड़ी गई सकारात्मक छाप!"

विद्यार्थियों के लिए 4 सीख

1. **शुरुआत छोटी हो सकती हैं** — बड़ा काम करने के लिए शुरुआत बड़ी होना जरूरी नहीं।
2. **निरंतरता जरूरी है** — एक दिन की मेहनत नहीं, लगातार किया गया प्रयास बदलाव लाता है।
3. **अपने विद्यालय पर विश्वास रखें** — आपका विद्यालय आपकी पहचान की शुरुआत हो सकता है।
4. **दूसरों को आगे बढ़ाइए** — सच्ची उपलब्धि तब और बड़ी बनती है जब उससे किसी और का जीवन बेहतर हो।

मेरे शिक्षक, मेरी प्रेरणा

मेरे लिए सबसे प्रेरणादायक शिक्षक हैं : ____________

उनकी एक ऐसी बात जो मुझे हमेशा याद रहती है : ____________

उनसे मैं कौन-सी अच्छी आदत सीखना चाहता/चाहती हूँ? ____________

इस महीने मैं उस आदत को कैसे अपनाऊँगा/अपनाऊँगी? ____________

अब आपकी बारी!

अपने विद्यालय में ऐसी एक चीज लिखिए जिसे आप बेहतर बनाना चाहते हैं!

समस्या : ____________
मेरा विचार : ____________
पहला कदम : ____________

क्या जंक फूड आपके दिमाग को प्रभावित कर सकता है?

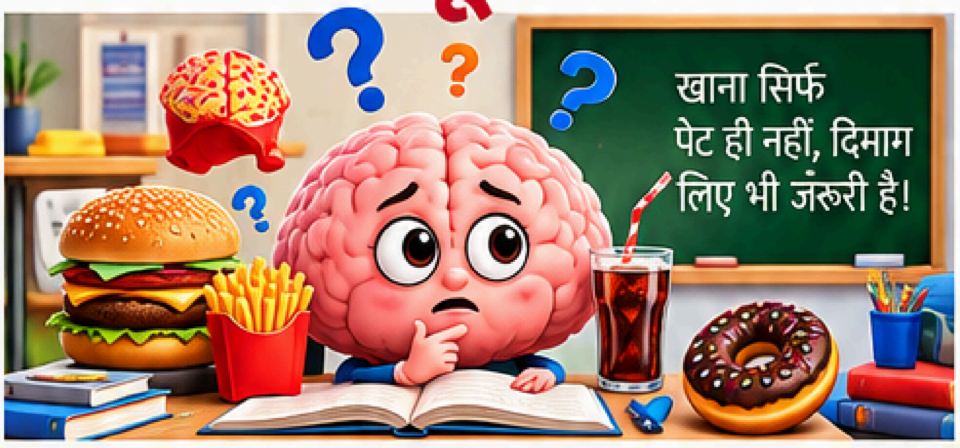

अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड क्या है?

ऐसे खाद्य पदार्थ जो प्राकृतिक भोजन से बहुत अधिक बदल दिए गए होते हैं और जिनमें अधिक चीनी, नमक, अस्वस्थ वसा, कृत्रिम रंग, स्वाद और संरक्षक (preservatives) होते हैं, उन्हें अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड कहा जाता है।

जैसे – चिप्स, कोल्ड ड्रिंक, बिस्किट, नूडल्स, पैकेज्ड स्नैक्स, फास्ट फूड आदि।

जंक फूड दिमाग को कैसे प्रभावित करता है?

अधिक मात्रा में जंक फूड खाने से दिमाग की सीखने, याद रखने और ध्यान केंद्रित करने की क्षमता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। इसमें अधिक चीनी, अस्वस्थ वसा और नमक होते हैं, जो धीरे-धीरे मस्तिष्क के कार्यों को प्रभावित करते हैं।

शोध बताते हैं कि बार-बार जंक फूड खाने से याददाश्त कमजोर हो सकती है और पढ़ाई में ध्यान लगाने में कठिनाई हो सकती है।

वैज्ञानिकों ने क्या पाया?

कई अध्ययनों में पाया गया है कि अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड का अधिक सेवन करने वाले बच्चों और किशोरों में—

- याद रखने की क्षमता कम हो सकती है।
- ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई हो सकती है।
- मूड में बदलाव और चिड़चिड़ापन बढ़ सकता है।
- लंबे समय में निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित हो सकती है।

वैज्ञानिकों का सुझाव

- प्राकृतिक और ताजा भोजन को प्राथमिकता दें।
- फल, सब्जियां, दालें, नट्स और अनाज खाएं।
- मीठे पेय (कोल्ड ड्रिंक) और पैकेजड स्नैक्स का सेवन कम करें।
- पर्याप्त पानी पिएं और नियमित व्यायाम करें।
- अच्छी नींद लें, क्योंकि यह भी दिमाग की सेहत के लिए बहुत जरूरी है।

मुख्य शब्द (POWER WORDS)

अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड	अधिक प्रोसेस्ड किया गया तैयार पैकेज्ड भोजन।
स्मरण शक्ति	याद रखने की क्षमता।
एकाग्रता	किसी काम पर ध्यान लगाकर काम करने की क्षमता।
मूड	मन की स्थिति।
पोषक तत्व	शरीर और दिमाग के लिए आवश्यक तत्व।

खाद्य पदार्थों की तीन श्रेणियाँ

1 प्राकृतिक भोजन (Natural Foods)

- कम प्रोसेस्ड
- पोषक तत्वों से भरपूर
- दिमाग और शरीर के लिए बेहतर

उदाहरण: फल, सब्जियां, दालें, अनाज

2 न्यूनतम प्रोसेस्ड भोजन (Minimally Processed Foods)

- थोड़ा प्रोसेस्ड किया गया
- अधिकांश पोषक तत्व सुरक्षित
- स्वस्थ विकल्प

उदाहरण: दूध, दही, अंडे, दलिया

3 अल्ट्रा-प्रोसेस्ड भोजन (Ultra-Processed Foods)

- अधिक चीनी, नमक और अस्वस्थ वसा
- कृत्रिम रंग और स्वाद
- अधिक सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक

उदाहरण: चिप्स, पिज्जा, बर्गर, बिस्किट, नूडल्स, कोल्ड ड्रिंक

वर्कशीट : शब्द खोजिए (LS16)

दिए गए अक्षरों से सही शब्द बनाइए।

- मस्तिष्क → ☐☐☐☐☐☐☐
- एकाग्रता → ☐☐☐☐☐☐☐
- पोषण → ☐☐☐☐☐
- प्रोसेस → ☐☐☐☐☐☐
- स्वास्थ्य → ☐☐☐☐☐☐☐

एक नए अध्ययन की रोचक बात

एक शोध के अनुसार, जंक फूड का अधिक सेवन किसी भी उम्र में दिमाग की कार्यक्षमता को कमजोर कर सकता है।

यह प्रभाव बच्चों और किशोरों में अधिक दिखाई देता है, क्योंकि इस उम्र में दिमाग तेजी से विकसित होता है। शोध यह भी बताते हैं कि स्वस्थ भोजन और सक्रिय जीवनशैली अपनाने से इन नकारात्मक प्रभावों को कम किया जा सकता है।

गतिविधि : मेरी खाने की आदत (LS17)

नीचे दिए गए भोजन को सही श्रेणी में लिखिए।

सेब, चिप्स, दूध, बर्गर, दाल, नूडल्स, गाजर, बिस्किट, केला

प्राकृतिक भोजन	न्यूनतम प्रोसेस्ड भोजन	अल्ट्रा-प्रोसेस्ड भोजन
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....

शोध से मिली जानकारी (उदाहरणात्मक ग्राफ)

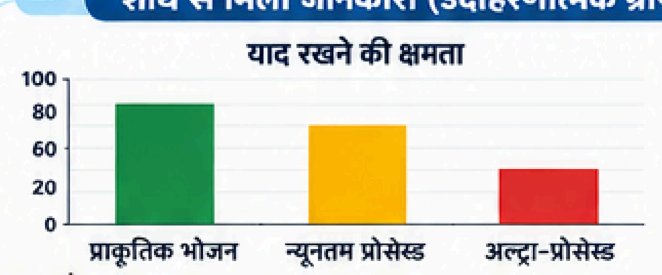

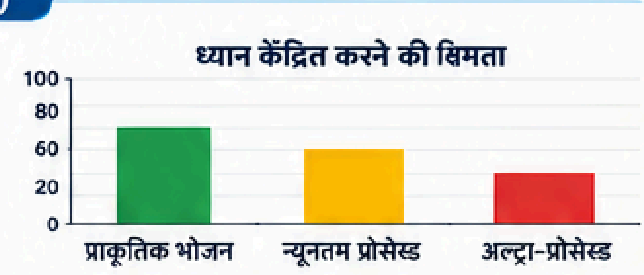

मेरी बारी! मैं अपने दिमाग को स्वस्थ रखने के लिए क्या करूंगा/करूंगी?

1. मैं अपनी कौन-सी खाने की आदत बदलना चाहता/चाहती हूं? ____________________
2. मैं इसके बदले क्या बेहतर विकल्प अपनाऊंगा/अपनाऊंगी? ____________________
3. मैं यह बदलाव कब से शुरू करूंगा/करूंगी? ____________________

करके सीखो विज्ञान (Learning by Doing)

जिज्ञासा • प्रयोग • सोच • समाधान

प्रयोग-1 : सौर ऊर्जा से चलने वाली मिनी कार

सूर्य की रोशनी से ऊर्जा लेकर चलने वाली एक छोटी कार बनाइए और जानिए नवीकरणीय ऊर्जा कैसे काम करती है।

सामग्री
- छोटा सोलर पैनल (3V)
- DC मोटर
- पहिए (4)
- कार्डबोर्ड / थर्मोकोल
- तार और टेप

विधि
1. कार्डबोर्ड से कार का आधार बनाएं।
2. सोलर पैनल को मोटर से जोड़ें।
3. पहियों को लगाएँ और तार कनेक्ट करें।
4. धूप में रखें और कार को चलाएँ।

परिणाम
धूप की रोशनी से कार चलती है।

सोचो
1. यह कार छाया में क्यों नहीं चलती?
2. इसे और तेज कैसे बनाया जा सकता है?

और बढ़ाओ
अलग-अलग कोण पर सोलर पैनल रखकर देखें कि किस कोण पर कार सबसे तेज चलती है।

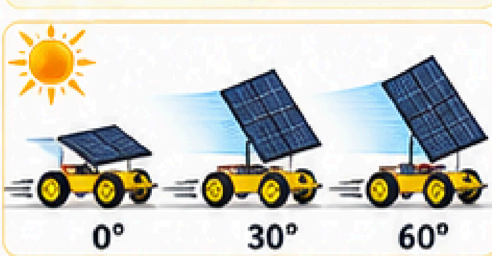

प्रयोग-2 : प्राकृतिक pH संकेतक बनाइए

फूलों/सब्जियों से प्राकृतिक संकेतक बनाकर विभिन्न पदार्थों का pH जाँचिए और अम्ल, क्षार तथा तटस्थ की पहचान कीजिए।

सामग्री
- लाल पत्ता गोभी (या गुड़हल का फूल)
- गर्म पानी
- छन्नी
- पारदर्शी गिलास (3–4)
- नींबू का रस, बैकिंग सोडा घोल, साबुन का पानी, पानी

विधि
1. पत्ता गोभी को काटकर गर्म पानी में 10 मिनट भिगोएं।
2. छानकर रंगीन घोल प्राप्त करें।
3. अलग-अलग पदार्थों में यह घोल मिलाएँ।
4. रंग परिवर्तन का अवलोकन करें।

परिणाम

अम्लीय (लाल/गुलाबी) | तटस्थ (बैंगनी) | क्षारीय (नीला/हरा)

सोचो
1. नींबू का रस अम्लीय क्यों होता है?
2. साबुन का पानी क्षारीय क्यों होता है?

और बढ़ाओ
अपने घर के 5 पदार्थों (दूध, सिरका, शैम्पू, नमक का घोल, बैकिंग सोडा) का pH जाँचकर तालिका बनाइए।

प्रयोग-3 : लेमन बैटरी से LED जलाइए

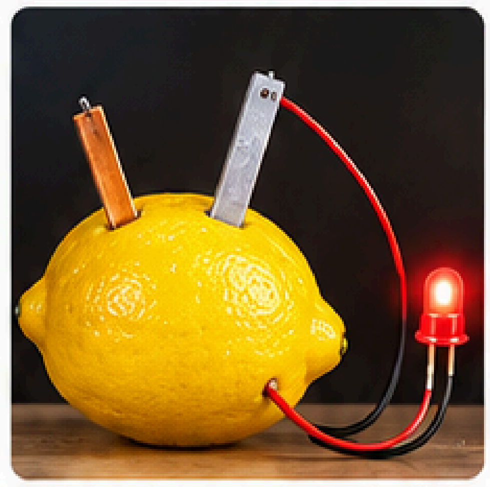

नींबू के रस से बनने वाली रासायनिक ऊर्जा का उपयोग करके LED जलाइए और विद्युत ऊर्जा में परिवर्तन को समझिए।

सामग्री
- नींबू (2)
- तांबे की पट्टी या सिक्का
- जस्ता की कील / गैल्वनाइज्ड कील
- LED (छोटी)
- तार

विधि
1. नींबू में दो छेद करें और तांबा तथा जस्ता को अलग-अलग लगाएँ।
2. तारों से LED को जोड़ें।
3. यदि एक LED न जले तो 2–3 नींबू को श्रृंखला (सीरिज) में जोड़ें।

परिणाम
2–3 नींबू को जोड़ने पर LED जलती है।

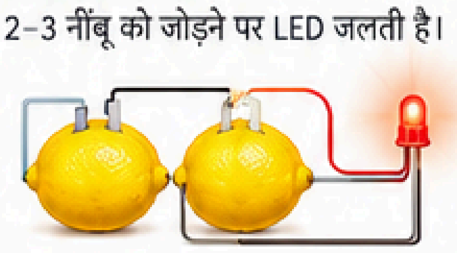

सोचो
1. एक नींबू से LED क्यों नहीं जलती?
2. अन्य फलों (आलू, टमाटर) से प्रयास करके देखें, क्या फर्क आता है?

और बढ़ाओ
विभिन्न फलों (आलू, टमाटर, संतरा) की वोल्टेज की तुलना करें और किससे अधिक ऊर्जा मिलती है, पता लगाइए।

प्रयोग-4 : जल शुद्धिकरण का सरल मॉडल

प्राकृतिक सामग्री की मदद से एक सरल जल शुद्धिकरण यंत्र बनाइए और जानिए छनन (फिल्ट्रेशन) कैसे काम करता है।

सामग्री
- प्लास्टिक बोतल (काटे हुई)
- कंकड़
- मोटा रेत
- कोयला (एक्टिवेटेड चारकोल)
- रेतीली मिट्टी
- कपड़ा / कॉटन
- गंदा पानी (मिट्टी मिला)

विधि
1. बोतल में नीचे से कपड़ा लगाएं।
2. ऊपर से क्रमशः रेतीली मिट्टी, कोयला, रेत और कंकड़ भरें।
3. ऊपर से गंदा पानी डालें और नीचे निकलने वाले पानी को इकट्ठा करें।

परिणाम

पहले (गंदा पानी) → बाद में (छना पानी)

सोचो
1. किस परत ने अधिक गंदगी रोकी?
2. इसे और बेहतर कैसे बनाया जा सकता है?

और बढ़ाओ
इस मॉडल में अतिरिक्त परतें (कॉटन, ग्रेवल आदि) जोड़कर जल को और स्वच्छ बनाने का प्रयास करें।

विज्ञान के महान वैज्ञानिक

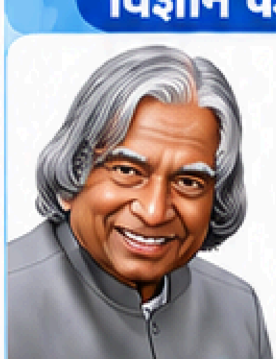

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

भारत के प्रसिद्ध वैज्ञानिक, शिक्षाविद और पूर्व राष्ट्रपति। उन्होंने अपने जीवन से हमें सिखाया कि जिज्ञासा, मेहनत और सपने समाज को बदल सकते हैं।

तुम भी वैज्ञानिक बन सकते हो!

- प्रश्न पूछो
- प्रयोग करो
- अवलोकन करो
- निष्कर्ष निकालो
- अपने विचार लिखो
- समाज के लिए उपयोगी समाधान सोचो

Power Words (शब्द शक्ति)

- Observe (अवलोकन) – ध्यान से देखना
- Experiment (प्रयोग) – करके जानना
- Evidence (प्रमाण) – तथ्य पर आधारित
- Innovate (नवाचार) – नया समाधान देना
- Sustainable (सतत) – प्रकृति के साथ संतुलित

नई दिल्ली : भारत के युवा वैज्ञानिकों ने दुनिया में रचा इतिहास

2026 में अंतरांष्ट्रीय विज्ञान और गणित ओलिंपियाड में भारतीय विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करतेल हुए कुल 12 स्वर्ण और 7 रजत पदक जीते।
भौतिकी ओलिपियाड में भारत के सभी 5 प्रतिभागियों ने स्वर्ण पदक हासिल किया, जबकि रसायन विज्ञान ओलिंपियाड में भी सभी 4 भारतीय प्रतिभागियों ने गोल्ड मेडल जीता।

यह क्यों महत्वपूर्ण है?
यह भारत के युवाओं की प्रतिभा, मेहनत और वैज्ञानिक सोच का वैश्विक स्तर पर सम्मान है।

बिहार : नालंदा विश्वविद्यालल बना विश्व की धरोहर

बिहार का प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय जुलाई 2026 में UNESCO की विश्व धरोहर सुची में शामिल किया गया। यह प्राचीन विश्वविद्यालय ज्ञान, शोध और वैश्विक संवाद का प्रतीक रहा है। इसकी मान्यता भारत की समृद्ध ज्ञान परंपरा और शिक्षा व्यवस्था की वैश्विक पहचान को और मजबूत करती है।

यह क्यों महत्वपूर्ण हैं?
यह भारत की ज्ञान परंपरा, सांस्कृतिक विरासत और शिक्षा के प्रति विश्व की बढ़ती रुचि को दर्शाता है।

उत्तर प्रदेश : शिक्षक भर्ती 2026 की प्रक्रिया शुरू

उत्तर प्रदेश में 2026 में बड़ी संख्या में शिक्षकों की भर्ती के लिए अधिसूचना जारी कर दी गई है। इस भर्ती से राज्य के विद्यालयों में शिक्षकों की कमी दूर होगी और लाखों युवाओं को रोजगार का अवसर मिलेगा। आवेदन प्रक्रिया ऑनलाइन माध्यम से शुरू हो चुकी है।

यह क्यों महत्वपूर्ण हैं?
यह बेहतर शिक्षा, गुणवत्तापूर्ण विद्यालयों और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर प्रदान करता है।

गुजरात : दुनिया का सबसे बड़ा ग्रीन हाइड्रोजन प्रोजेक्ट

गुजरात में 2026 में दुनिया की सबसे बड़ी ग्रीन हाइड्रोजन परियोजना पर काम तेज हुआ है। यह परियोजना भारत को स्वच्छ ऊर्जा, कम कार्बन उत्सर्जन और आत्मनिर्भर ऊर्जा अर्थव्यवस्था की दिशा में बड़ी उपलब्धि दिलाएगी।

यह क्यों महत्वपूर्ण हैं?
यह स्वच्छ ऊर्जा, पर्यावरण संरक्षण और भारत को ऊर्जा के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व दिलाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

असम : काजीरंगा में एक और गैंडे के शावक का जन्म

असम के काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में 2026 में एक स्वस्थ गैंडे के शावक का जन्म हुआ है। यह काजीरंगा में गैंडों की बढ़ती संख्या और सफल संरक्षण प्रयासों का सकारात्मक संकेत है। काजीरंगा विश्व प्रसिद्ध वन्यजीव विरासत स्थल है।

यह क्यों महत्वपूर्ण हैं?
यह वन्यजीव संरक्षण, जैव विविधता और प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखने की हमारी जिम्मेदारी को याद दिलाता है।

मध्य प्रदेश : देश का पहला चीतों पुनर्वास क्षेत्र

मध्य प्रदेश में 2026 में देश का पहला चीतों पुनर्वास क्षेत्र और विशेष संरक्षण क्षेत्र विकसित किया जा रहा है। यह भारत में चीतों की संख्या बढ़ाने और उन्हें प्राकृतिक आवास में सुरथित रखने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है।

यह क्यों महत्वपूर्ण हैं?
यह विलुप्त हो रहे वन्यजीवों के संरक्षण और पारिस्थितिक संतुलन के लिए अत्यंत आवश्यक कदम है।

पश्चिम बंगाल : भारतीय नौसेना को मिले तीन नए स्वदेशी युद्धपोत

कोलकाता में सितंबर 2026 में भारतीय नौसेना को तीन नए स्वदेशी युद्धपोत सौंपे गए। ये अत्याधुनिक तकनीक से लैस युद्धपोत भारत की समुद्री सुरक्षा को और मजबूत करेंगे तथा "आत्मनिर्भर भारत" अभियान को नई गति देंगे।

यह क्यों महत्वपूर्ण हैं?
यह भारत की रक्षा क्षमता, स्वदेशी तकनीक और समुद्री सीमाओं की सुरक्षा के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

ओडिशा : सिमिलिपाल में चार बाघ शावकों का जन्म

ओड़िशा के सिमिलिपाल टाइगर रिजर्व में 2026 में एक बाघिन ने चार शावकों को जन्म दिया है। यह राज्य के वन्यजीव संरक्षण और लगातार बेहतर हो रहे प्राकृतिक आवास का परिणाम है।

यह क्यों महत्वपूर्ण हैं?
यह वन्यजीव संरक्षण की सफलता और जैव विविधता के प्रति हमारी जिम्मेदारी को दर्शाता है।

WORKSHEET : SN073

1. दिए गए राज्यों को उनके प्रमुख विषय से मिलाइए:

बिहार	ग्रीन हाइड्रोजन प्रोजेक्ट
गुजरात	तीन नए युद्धपोत
असम	नालंदा विश्वविद्यालय (विश्व धरोहर)
मध्य प्रदेश	बाघ शावकों का जन्म
पश्चिम बंगाल	चीतों पुनर्वास क्षेत्र

सोचिए और लिखिए

1. इन घटनाओं में से कौन- सी घटना आपको सबसे अधिक प्रेरित करती है? क्यों? ____________
2. इन घटनाओं से हमें क्या सीख मिलती है? (शिक्षा/संरक्षा/विज्ञान/पर्यावरण/रोजगार)
____

POWER WORDS (शब्द शक्ति)

- **विरासत** (Heritage) – सांस्कृतिक धरोहर
- **संरक्षण** (Conservation) – सुरक्षा और बचाव
- **आत्मनिर्भरता** (Self-reliance) – अपने संसाधनों पर निर्भर होना
- **जैव विविधता** (Biodiversity) – विभिन्न जीवों की विविधता
- **सतत विकास** (Sustainable Development) – भविष्य के लिए संतुलित विकास

स्पेन : FIFA World Cup 2026 का खिताब अपने नाम

स्पेन ने 2026 FIFA World Cup के फाइनल में अर्जेंटीना को 1–0 से हराकर दूसरी बार विश्व कप जीता। टूर्नामेंट का आयोजन अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में हुआ, जिसमें 48 टीमों ने भाग लिया – यह सबसे बड़ा विश्व कप था।

यह क्यों महत्वपूर्ण है?

यह टूर्नामेंट फुटबॉल को वैश्विक स्तर पर और लोकप्रिय बनाता है और खेल के माध्यम से देशों को जोड़ता है।

UNESCO : 25 नए स्थल विश्व धरोहर सूची में शामिल

जुलाई 2026 में दक्षिण कोरिया के बुसान में हुई UNESCO World Heritage Committee की 48वीं बैठक में 25 नए स्थलों को विश्व धरोहर सूची में शामिक किया गया। कोमोरोस, साओ टोमें और प्रिंसिपे तथा दक्षिण सूडान पहली बार इस सूची में शामिल हुए।

यह क्यों महत्वपूर्ण है?

विश्व धरोहर स्थल हमारी साझा मानवता की अनमोल विरासत हैं, जिनका संरक्षण पूरी दुनिया की जिम्मेदारी है।

नेपाल : हिमालय में ग्लेशियर टूटने से विनाशकारी बाढ़

अगस्त 2026 में नेपाल–तिब्बत सीमा क्षेत्र में एक ग्लेशियर के टूटने से अचानक आई बाढ़ ने बड़े पैमाने पर तबाही मचाई। 31 अगस्त तक 950 से अधिक लोगों की मौत और कई लोग लापता होने की खबर है। राहत एवं बचाव कार्य जारी हैं।

यह क्यों महत्वपूर्ण है?

यह घटना बढ़ते तापमान के कारण हिमालयी ग्लेशियरों की संवेदनशीलता और जलवायु परिवर्तन की गंभीर चुनौती को दर्शाती है।

अंतरिक्ष : प्लूटो पर मिला नया वैज्ञानिक संकेत

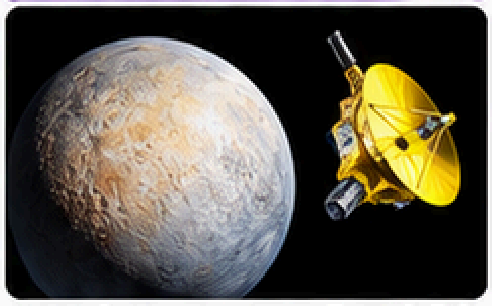

NASA के New Horizons मिशन से मिले आंकड़ों के नए अध्ययन में प्लूटो की सतह पर तरल नाइट्रोजन के हालिया प्रवाह के संकेत मिले हैं। यह खोज प्लूटो की सतह और उसके वातावरण को समझने में नई जानकारी देती है।

यह क्यों महत्वपूर्ण है?

यह खोज बताती है कि दूरस्थ बौने ग्रह प्लूटो पर आज भी भूगर्भीय गतिविधियाँ सक्रिय हो सकती हैं।

ब्रह्मांड : वैज्ञानिकों को मिले प्राचीन क्वासर

यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के Euclid Space Telescope ने 31 प्राचीन क्वासर खोजे हैं। इनमें से दो अब तक देखे गए सबसे पुराने क्वासरों में शामिल हैं, जिनका प्रकाश उस समय का है जब ब्रह्मांड की आयु वर्तमान की लगभग 5% थी।

यह क्यों महत्वपूर्ण है?

इन खोजों से वैज्ञानिकों को ब्रह्मांड के शुरूआती दौर और विशाल ब्लेक होल के निर्माण की प्रक्रिया को समझने में मदद मिलेगी।

दुनिया एक नज़र में – जुलाई–अगस्त 2026 की प्रमुख घटनाएं

मानचित्र में खोजिए – इन घटनाओं के स्थान

- **स्पेन :** FIFA विश्व कप
- **कोरिया :** UNESCO बैठक
- **इंडोनेशिया :** जंगलों में आग
- **अमेरिका :** FIFA आयोजन स्थल
- **नेपाल :** हिमालयी बाढ़
- **फिलीपींस :** Magaaysay Award
- **यूरोप :** प्राचीन क्वासर
- **विश्व :** जलवायु परिवर्तन

जलवायु : जुलाई रहा रिकॉर्ड गर्म महीना

विश्व मौसम संगटन के अनुसार जुलाई 2026 दुनिया के संयुक्त रूप से सबसे गर्म जुलाई महीनों में रहा। कई देशों में हीटवेव, सूखा, जंगलों की आग और कुछ क्षेत्रों में भारी बारिश जैसी चरम मौसमी घटनाएं देखने को मिलीं।

यह क्यों महत्वपूर्ण है?

यह मानव गतिविधियों के कारण बढ़ते जलवायु परिवर्तन और पृथ्वी के लिए तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता को दर्शाता है।

इंडोनेशिया : जंगलों में बढ़ी आग की चुनौती

अगस्त 2026 में इंडोनेशिया के कई हिस्सों में सूखे और गर्म मौसम के कारण जंगलों में आग की घटनाएं बढ़ीं। इससे वन्यजीव, पर्यावरण और स्थानीय समुदायों पर गंभीर प्रभाव पड़ा। आग पर निचंत्रण के लिए विशेष दल और अंतरराष्ट्रीय सहायता जुटाई गई।

यह क्यों महत्वपूर्ण है?

जंगलों की आग से जैव विविधता, वायु गुणवत्ता और जलवायु सभी प्रभावित होते हैं। यह प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की आवश्यकय बताता है।

एशिया : Ramon Magsaysay Award 2026 की घोषणा

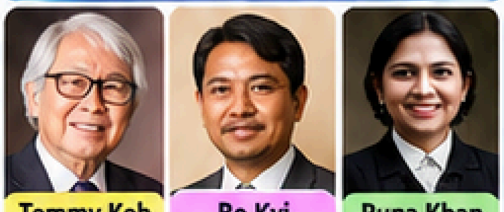

Tommy Koh (सिंगापुर) | Bo Kyi (म्यांमर) | Runa Khan (बांग्लादेश)

31 अगस्त 2026 को Ramon Magaysay Award 2026 के तीन विजेताओं की घोषणा हुई। यह पुरस्कार एशिया में जनसेवा, सामाजिक न्याय और मानवीय योगदान के लिए दिया जाता है।

यह क्यों महत्वपूर्ण है?

ये सम्मान बताते हैं कि समाज में सकाराम्पक बदलाव निरंतर प्रयासों, नेतृत्व और लोगों की सेवा से संभव है।

WORKSHEET : WN07

1. निम्न स्थानों को उनसे संबंधित घटनाओं से मिलाइए –

स्पेन	हिमालयी बाढ़
नेपाल	FIFA विश्व कप
इंडोनेशिया	जंगलों में आग
अमेरिका	प्राचीन क्वासर
दक्षिण कोरिया	UNESCO बैठक

सोचिए और लिखिए

1. 2026 FIFA World Cup में 48 टीमों के शामिल होने का वैश्विक स्तर पर क्या महत्व है? ____________
2. जलवायु परिवर्तन को कम करने के लिए विद्यार्थी अपने विद्यालय में कौन से तीन कदम शुरू कर सकते हैं? ____________
3. अंतरिक्ष में होने वाली नई खोजें हमारे जीवन को किस तरह प्रभावित कर सकती हैं? ____________

POWER WORDS (शब्द शक्ति)

- **Heritage (विरासत)** – सांस्कृतिक/प्राकृतिक धरोहर
- **Quasar (क्वासर)** – अत्यंत चमकीला खगोलीय पिंड
- **Glacier (हिमनद)** – लंबे समय तक जमा बर्फ का भंडार
- **Climate Change (जलवायु परिवर्तन)** – पृथ्वी की जलवायु में दीर्घकालिक परिवर्तन
- **Biodiversity (जैव विविधता)** – पृथ्वी पर जीवों की विविधता
- **Diplomacy (कूटनीति)** – देशों के बीच सहयोग और संवाद

हमारा कंप्यूटर, AI और तकनीक

नई तकनीकों से सीखने, सोचने और बेहतर भविष्य बनाने की संभावनाएँ

आज की तकनीक कल का बेहतर समाज बना सकती है, अगर हम इसे समझदारी से उपयोग करें।

चंद्रयान-3 के डेटा से चंद्रमा के रहस्यों पर नई रोशनी

भारतीय वैज्ञानिकों ने चंद्रमा की सतह के तापमान और खनिजों से जुड़ी नई जानकारी साझा की

इसरो ने जुलाई 2025 में चंद्रयान-3 मिशन से प्राप्त तापमान से जुडे डेटा को वैज्ञानिक समुदाय के लिए जारी किया। यह डेटा चंद्रमा की सतह पर दिन और रात के तापमान में होने वाले बड़े बदलावों को समझने में महत्वपूर्ण है।

इसा खोज से भविष्य के चंद्र मिशनों और चंद्रमा पर रोबोटिक तथा मानव अन्वेषण की योजनाओं में मदद मिलेगी। यह दिखाता है कि भारत न केवल अंतरिक्ष तक पहुंच रहा है, बल्कि वहां से प्राप्त जानकारी को दुनिया के ज्ञान के लिए साझा भी कर रहा है।

सीख: विज्ञान और तकनीक से जुड़ी जिज्ञासा हमें नए सवाल पूछने और उन्हें हल करने की दिशा में ले जाती है।

छात्रों के लिए AI: Google का नया सीखने वाला साथी

अब खोज, समझ और अभ्यास – सब एक ही जगह

सितंबर 2025 में Google ने भारत में छात्रों के लिए AI Mode और Learn Live जैसी नई सुविधाएँ शुरू कीं। इनकी मदद से विद्यार्थी किसी भी विषय को कदम-दर-कदम समझ सकते हैं, कठिन प्रश्नों पर बातचीत कर सकते हैं और अपनी सीखने की गति के अनुसार अभ्यास कर सकते हैं।

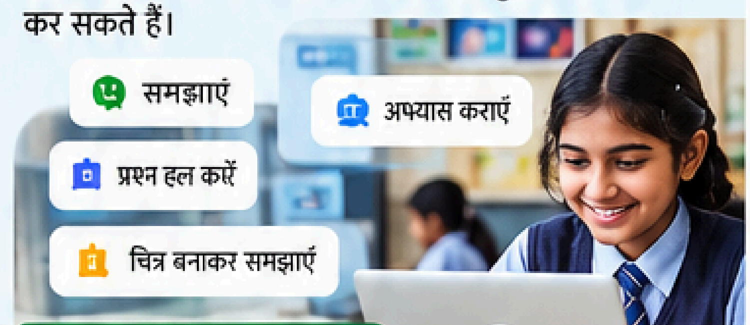

विचार्थियों के लिए उपयोग

- कठिन विषयों को सरल तरीके से समझना
- अपने प्रश्नों के विस्तृत उत्तर पाना
- चित्र, उदाहरण और अभ्यास के साथ सीखना
- परीक्षा की तैयारी में मदद

भारत का अपना AI मॉडल: SARVAM AI

भारतीय भाषाओं में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की नई दिशा

सितंबर 2025 में भारत ने अपना स्वदेशी AI मॉडल 'Sarvam AI' लॉन्च किया, जो भारतीय भाषाओं के लिए तैयार किया गया है। इसका उद्देश्य है – तकनीक को देश के हर नागरिक, हर भाषा और हर क्षेत्र तक पहुँचाना।

यह क्यों महत्वपूर्ण है?

- भारतीय भाषाओं में बेहतर समझ और जवाब
- ग्रामीण क्षेत्रों में तकनीक की पहुँच
- शिक्षा, स्वास्थ्य और सरकारी सेवाओं में उपयोग
- देशी नवाचार को बढ़ावा

सुरक्षित डिजिटल दुनिया के लिए नया कानून

ऑनलाइन सुरक्षा के लिए सरकार के सख्त कदम

अगस्त 2025 में लागू किए गए डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण (DPDP) अधिनियम के नियमों में बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया है। 18 वर्ष से कम उम्र के उपयोगकर्ताओं के डेटा के लिए अभिभावक की सहमति अनिवार्य होगी। इससे बच्चों की गोपनीयता और सुरक्षा मजबूत होगी।

हम क्या कर सकते हैं?

- व्यक्तिगत जानकारी (जैसे पता, फोन नंबर) साझा न करें
- सिर्फ़ सुरक्षित और भरोसेमंद वेबसाइट का उपयोग करें
- सोशल मीडिया पर सोच-समझकर जानकारी साझा करें
- ऑनलाइन समय का संतुलित उपयोग करें

नई तकनीकें, नए अवसर

AI सहायक उपकरण

अब पढ़ाई, लेखन, अनुवाद और चित्र बनाने जैसे कार्यों में AI हमारी मदद कर सकता है।

रोबोटिक्स और ऑटोमेशन

स्कूलों और कॉलेजों में रोबोटिक्स की लोत्केन्रिपता बढ़ रही है। इससे समस्या समाधान और रचनात्मक सोचने की क्षमता विकसित होर्तेहो है।

ग्रीन टेक्नोलॉजी

सोलर ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन और स्मार्ट कृषि जैसी तकनीकें हम्मारे पर्यावरण को सुरक्षित बनाने में मदद कर रही हैं।

करियर के नए विकल्प

AI, डेटा साइंस, साइबर सुरक्षा, रोबोटिक्स और स्पेस टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में भविष्य में बहुत अवसर हैं।

विचार करें

1. AI का उपयोग पढ़ाई में कैसे मदद कर सकता है?
2. तकनीक के साथ जिम्मेदारी क्यों जरूरी है?
3. आपके स्कूल या घर में कौन-सी समस्या है जिसे तकनीक से हल किया जा सकता है?
4. आप भविष्य में किस तकनीक पर काम करना चाहेंगे और क्यों?

महत्वपूर्ण शब्द

- **कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI)** – कंप्युटर द्वारा मानव जैसी बुद्धिमता से काम करने की क्षमता।
- **डेटा** – जानकारी, जिसे कंप्यूटर में संग्रहित किया जाता है।
- **साइबर सुरक्षा** – ऑनलाइन दुनिया में सुरक्षा की तकनीक।
- **नवाचार** – किसी समस्या का नया समाधान।
- **डिजिटल नागरिकता** – जिम्मेदारी के साथ तकनीक का उपयोग।

वर्कशीट गतिविधि

मेरी तकनीक, मेरा विचार

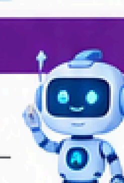

1. मैं किस समस्या को हल करना चाहता/चाहती हूँ? ____________________
2. मैं किस तकनीक का उपयोग करना चाहूँगा/चाहूँगी? ____________________
3. मेरा विचार (संक्षेप में): ____________________

____

4. इससे किसे लाभ होगा? ____________________

मेरी डिजिटल प्रतिज्ञा

- [ ] मैं तकनीक का उपयोग सीखने के लिए करूँगा/करूँगी।
- [ ] मैं ऑनलाइन सुरक्षित रहूँगा/रहूँगी।
- [ ] मैं फैक न्यूज पर ध्यान नहीं दूँगा/दूंगी।
- [ ] मैं तकनीक का उपयोग जिम्मेदारी से करूँगा/करूँगी।
- [ ] मैं नई तकनीक सीखकर समाज के लिए उपयोगी बनने की कोशिश करूँगा/करूँगी।

खेल हमारा, बिहार हमारा

स्वस्थ शरीर, मजबूत मन और उज्ज्वल भविष्य की ओर

28 सितंबर से शुरू

SGFI बिहार खेल सप्ताह

स्कूलों में खेल प्रतिभाओं का सबसे बड़ा मंच

5वीं राज्य स्तरीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता (स्कूली स्तर) – SGFI बिहार खेल सप्ताह 28 सितंबर 2026 से राज्य भर में शुरू हो रहा है। इस आयोजन में फुटबॉल, कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, एथलेटिक्स, बैड़मिंटन, टेबल टेनिस, हॉकी, कुश्ती, तैराकी, क्रिकेट सहित कई खेलों में राज्य के सभी जिलों से चयनित छात्र-छात्राएँ भाग ले रहे हैं।

यह प्रतियोगिता न केवल खेल प्रतिभाओं को मंच देती है, बल्कि राष्ट्रीय स्तर (SGFI राष्ट्रीय प्रतियोगिता) तक पहुँचने का रास्ता भी खोलती है।

एथलेटिक्स | फुटबॉल | कबड्डी | खो-खो | वॉलीबॉल | बैड़मिंटन | तैराकी | हॉकी | टेबल टेनिस | और भी कई खेल...

मशाल गेम्स : बिहार की अनोखी पहल,

दुनिया का सबसे बड़ा शैक्षणिक खेल उत्सव

मशाल गेम्स बिहार सरकार की एक ऐतिहासिक और अनूठी पहल है, जो स्कूल स्तर पर खेल को जन-आंदोलन का रूप देती है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य के लाखों विद्यार्थियों को खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने का अवसर मिलता है और यह दुनिया के सबसे बड़े स्कूल स्पोर्ट्स इवेंट्स में से एक माना जाता है।

मशाल गेम्स की खास बातें

- राज्य के सभी जिलों के लाखों विद्यार्थी सहभागी
- ग्रामीण और शहर के बच्चों के लिए समान अवसर
- स्कूल स्तर पर खेल प्रतिभाओं की खोज
- स्वस्थ, सक्रिय और अनुशासित जीवन शैली को बढ़ावा
- प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे उच्च स्तर की प्रतियोगिताओं में अवसर
- खेल के माध्यम से समावेशी और सशक्त बिहार का निर्माण

बिहार के युवा खिलाड़ी : सपनों से सफलता तक

बिहार की धरती ने दिए हैं देश को कई सितारे, जो आज राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर चमक रहे हैं।

वैभव सूर्यवंशी
क्रिकेट (समस्तीपुर, बिहार)

बिहार के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने IPL 2025 में राजस्थान रॉयल्स के लिए कम उम्र में शानदार प्रदर्शन कर पूरे देश का ध्यान खींचा। वे बिहार के लिए एक नई पीढ़ी की प्रेरणा हैं।

ईशान किशन
क्रिकेट (पटना, बिहार)

बिहार के ईशान किशन ने भारतीय क्रिकेट टीम में अपनी जगह बनाकर राज्य का नाम रोशन किया है। वे युवाओं के लिए उदाहरण हैं कि मेहनत, धैर्य और लगन से बड़े सपने पूरे हो सकते हैं।

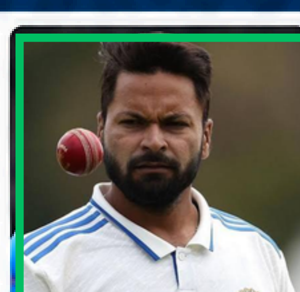

मुकेश कुमार
क्रिकेट (गोपालगंज, बिहार)

गोपालगंज के मुकेश कुमार ने घरेलू क्रिकेट में लगातार बेहतर प्रदर्शन के बाद भारतीय क्रिकेट टीम में वेब्यू किया। वे बिहार के ग्रामीण क्षेत्र से निकलकर राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने की प्रेरक कहानी हैं।

श्रेयसी सिंह
निशानेबाजी (जमुई, बिहार)

टोक्यो ओलंपिक 2020 में कांस्य पदक जीतने वाली श्रेयसी सिंह बिहार की बेटी हैं। उन्होंने दिखाया कि छोटे शहर से भी ओलंपिक जैसे बड़े मंच तक पहुंचा जा सकता है।

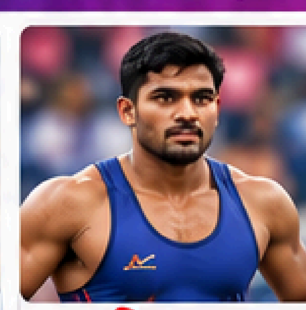

अमित कुमार
कुश्ती (बिहार)

अमित कुमार ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए कई पदक जीते हैं। वे बिहार के उन युवाओं के लिए प्रेरणा हैं जो कठिन परिस्थितियों में भी सफलता हासिल कर रहे हैं।

सोनम कुमारी
एथलेटिक्स (बिहार)

सोनम कुमारी ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में पदक जीतकर बिहार की खेल प्रतिभाओं को नई पहचान दी है। वे बताती हैं कि निरंतर अभ्यास और अनुशासन से कोई भी लक्ष्य संभव है।

खेल हमें क्या देता है?

- स्वस्थ शरीर और मजबूत मानसिक स्वास्थ्य
- अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता
- आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच
- पढ़ाई में बेहतर ध्यान और प्रदर्शन
- करियर के नए अवसर
- नशा और गलत आदतों से दूरी

स्पोर्ट्सी करियर : खेल से बने सरकारी अधिकारी

बिहार सरकार खेल कोटे के माध्यम से उत्कृष्ट खिलाड़ियों को सरकारी नौकरियों में अवसर देती है। हाल के वर्षों में कई खिलाड़ियों को विभिन्न विभागों में नियुक्ति मिली है। उदाहरण के रूप में –

नाम	खेल	नियुक्ति/पद (उदाहरण)
राहुल कुमार	एथलेटिक्स	पुलिस इंस्पेक्टर (बिहार पुलिस)
नेहा कुमारी	कबड्डी	दारोगा (बिहार पुलिस)
संजय कुमार	हॉकी	राज्य कर पदाधिकारी
प्रीति राज	वॉलीबॉल	शिक्षक (खेल कोटा)
मनीष कुमार	कुश्ती	वन रक्षक

➔ यह उदाहरण दर्शाते हैं कि खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के लिए बिहार सरकार में सम्मानजनक करियर के रास्ते उपलब्ध हैं।

मेरा खेल संकल्प

1. मैं किस खेल में हिस्सा लेना चाहता/चाहती हूँ?
2. मैं रोज कितनी देर अभ्यास क सकता/सकती हूँ?
3. अगले 6 महीने में मेरा लक्ष्य क्या हैं?
4. मैं अपने विद्यालय और जिले का नाम कैसे रोशन करना चाहता/चाहती हूँ?

“ खेल से ही बनेगा स्वस्थ समाज, खेल से ही चमकेगा बिहार का नाम ”

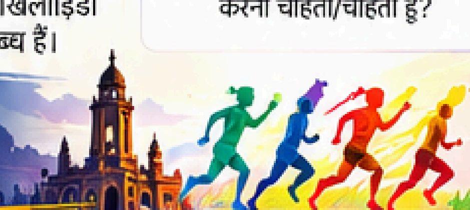

बिहार खेलेगा बिहार बढ़ेगा

पैसा मायने रखता है

समझदार आज, सुरक्षित कल

भारत की अर्थव्यवस्था : पैसा हमारे जीवन तक कैसे पहुँचता है?

कमाई, खर्च, बचत, डिजिटल भुगतान और महँगाई को समझना क्यों जरूरी है?

हम जो सामान खरीदते हैं, जो फीस भरते हैं, जो सेवाएँ उपयोग करते हैं, जो बचत करते हैं – इन सबके पीछे काम करती है देश की अर्थव्यवस्था। यह पेज आपको आसान भाषा में समझाएगा कि पैसा कहां से आता है, कहां जाता ह और यह हमारे जीवन को कैसे प्रभावित करता है।

यूपीआई के 10 साल : जेब से मोबाइल तक पैसा

यूपीआई ने डिजिटल भुगतान को हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का सामान्य हिस्सा बना दिया है। अब पैसा भेजना, पाना और भुगतान करना पहले से कहीं आसान और तेज हो गया है।

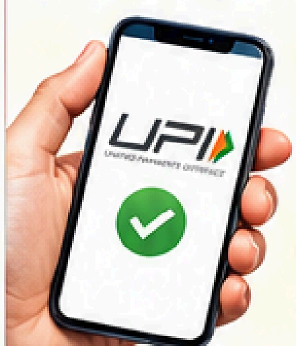

तेज • सुरक्षित • आसान

10 वर्ष यूपीआई की सफल यात्रा

24,162 करोड़+ लेन-देन (FY 2025-26)

₹314 लाख करोड़ लगभग लेन-देन मूल्य (FY 2025-26)

11 देशों में संचालित भारत का यूपीआई अब 11 देशों में भी उपलब्ध है।

क्या आप जानते हैं?

- यूपीआई की शुरुआत 2016 में हुई थी और अगस्त 2026 तक इसे 10 वर्ष पूरे हो गए।
- आज यूपीआई से छोटे दुकानदार से लेकर ऑनलाइन खरीदारी तक सब जगह भुगतान होता है।
- यह नकद पर निर्भरता कम करता है और डिजिटल अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाता है।

भारत की अर्थव्यवस्था कितनी तेजी से बढ़ी?

वित वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2026) में भारत की वास्तविक GDP वृद्धि दर 7.8% रही। इसका मतलब है कि देश में उत्पादन, सेवाओं और आय में अच्छी बढ़ोतरी हुई है।

7.8% वास्तविक GDP वृद्धि दर (Q1, FY 2026-27)

7.1% घरेलू खपत में वृद्धि (लोगों द्वारा वस्तुओं और सेवाओं पर खर्च)

11.9% निवेश में वृद्धि (भविष्य के लिए नई परियोजनाओं पर खर्च)

महँगाई क्या होती है?

जब समान वस्तु या सेवाएं पहले की तुलना में अधिक कीमत पर मिलने लगें, तो इसे **महँगाई** कहते हैं। इससे हमारी खरीद शक्ति (Purchasing Power) कम हो जाती है, यानी उतने ही पैसों में पहले जितना सामान नहीं मिलता।

जुलाई 2026 (खुदरा महँगाई दर)	अगस्त 2026 (खुदरा महँगाई दर)	खाद्य महँगाई दर (अगस्त 2026)
4.45%	4.82%	5.95%

उदाहरण: अगर पिछले महीने 1,000 रूपऐ में मिलने वाला समान इस महीने 1,050 रूपये का हो जाए, तो इसका मतलब है कि महँगाई बढ़ी है और हमें अब उतने पैसे में कम सामान मिलेगा।

बजट बनाना सीखें

सही योजना = कम तनाव = बेहतर भविष्य

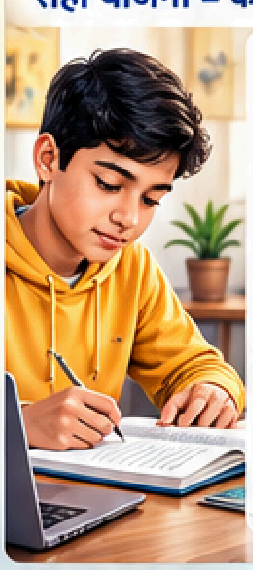

- पहले जरूरतें, फिर इच्छाएँ
- सबसे पहले बचत करें
- एक आपातकालीन निधि बनाएं। (कम से कम 3-6 महीने के खर्च जितनी)
- कुछ खरीदने से पहले कीमत की तुलना करें
- बिना सोचे-समझे खरीदारी से बचें

कर को समझें

हमारे विकास में आपकी भागीदारी

- कर (टैक्स) वह राशि है जो सरकार द्वारा कानून के अनुसार हमारी आय (टैक्स योग्य आय) पर ली जाती है।
- नया आयकर अधिनियम, 2025 1 अप्रैल 2026 से लागू हो चुका है।
- नई कर व्यवस्था में जहां टैक्स योग्य आय ₹12 लाख तक है, वहां अधिकतम ₹60,000 तक की छूट (रिबट) का प्रावधान है (लागू नियमों के अधीन).
- सरकार इस कर राशि का उपयोग सड़क, स्कूल, अस्पताल, रक्षा, ग्रामीण विकास जैसी सार्वजनिक सेवाओं के लिए करती है।

पैसा कहाँ से आता है और कहाँ जाता है?

परिवार / व्यवसाय (कमाई) → **आय** (वेतन/व्यवसाय/अन्य स्रोतें) → **खर्च** (दैनिक जरूरतें) / **बचत** (भविष्य के लिए) / **कर** (सरकार के लिए)

बैंक / निवेश (बचत से वृद्धि) → **अर्थव्यवस्था** (उत्पादन, रोजगार, नई सेवाएँ)

घर का बजट : एक उदाहरण (मासिक)

आय	
पिता/माता का वेतन	40,000
अन्य आय	5,000
कुल आय	**45,000**

खर्च	
घर का खर्च	15,000
शिक्षा (फीस/किताबें)	6,000
खान-पान	8,000
यातायात	3,000
अन्य (मोबाइल, आदि)	4,000
कुल खर्च	**36,000**

बचत — मासिक बचत **9,000**

नोट: यह केवल एक उदाहरण है। हर परिवार की स्थिति अलग हो सकती है।

विद्यार्थियों के लिए मनी चैलेंज

1. मेरी मासिक जेबखर्च राशि: ____________
2. मेरी जरूरतें (3 लिखें): ____________
3. मेरी बचत का लक्ष्य: ____________
4. एक खर्च जिसे मैं कम कर सकता /सकती हूं: ____________

शब्द शक्ति (शब्द और अर्थ)

- **अर्थव्यवस्था** – देश की समग्र आर्थिक गतिविधियाँ
- **महँगाई** वस्तुओं के दामों में लगातर बढ़ोत्तरी
- **बचत** भविष्य के लिए पैसा सुरक्षित रखना
- **निवेश** पैसा लगाकर भविष्य में अधिक लाभ पाना
- **कर** सरकार को दिया जाने वाला अनिवार्य योगदान
- **बजट** आय और खर्च की योजना
- **डिजिटल भुगतान** – मोबाइल/ऑनलाइन माध्यम से किया गया भुगतान

सोचें और लिखें

1. यूपीआई ने दैनिक भुगतान को कैसे बदला? ____________
2. महँगाई का परिवार के बजट पर क्या असर पड़ सकता है? ____________
3. बचत और निवेश में क्या अंतर है? ____________

> **"पैसे को समझना अमीर बनने की बात नहीं; समझदारी से फैसले लेने की कला है।"**

आँकड़े: सितंबर 2026 तक

अपने ज्ञान का परीक्षण करें

प्रQ1.रिया के दादाजी अपने मस्तिष्क को सक्रिय रखना चाहते हैं। हाल के अध्ययनों के आधार पर, इनमें से कौन-सी आदत उनके लिए सबसे अधिक सहायक होगी?

(a) सभी नई गतिविधियों से बचना

(b) नियमित रूप से पढ़ना, पहेलियाँ हल करना और नई चीजें सीखना

(c) पूरे दिन सोकर मस्तिष्क को आराम देना

(d) केवल शारीरिक व्यायाम करना और कोई मानसिक गतिविधि न करना

Q2.अल्ट्रा-प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. फल, सब्जियाँ, अनाज और मेवे सीधे प्रकृति से प्राप्त होते हैं।
2. अल्ट्रा-प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों में कृत्रिम रंग और परिरक्षक हो सकते हैं।
3. अल्ट्रा-प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थ हमेशा सबसे स्वास्थ्यवर्धक विकल्प होते हैं।

उपरोक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

Q3.पद्म पुरस्कार किस दिवस की पूर्व संध्या पर घोषित किए जाते हैं?

(a) स्वतंत्रता दिवस

(b) गणतंत्र दिवस

(c) शिक्षक दिवस

(d) गांधी जयंती

Q4.निम्नलिखित अभिकथन और कारण पर विचार कीजिए:

अभिकथन (A): रूस में सुदर्शन पटनायक की जीत भारत के लिए गर्व का क्षण थी।

कारण (R): वे रूस ग्रैंड सैंड मास्टर कप जीतने वाले पहले भारतीय बने।

(a) A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।

(b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता।

(c) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

(d) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

Q5.किसी भाषा में ऐसी विशेष शब्द-रूप व्यवस्था होती है, जिसका प्रयोग ठीक दो वस्तुओं/व्यक्तियों के लिए किया जाता है। इस विशेषता को क्या कहा जाता है?

(a) एकवचन रूप

(b) द्विवचन रूप

(c) विशेषण रूप

(d) बहुवचन रूप Q6.

सर्वोच्च न्यायालय ने किसे मौलिक अधिकार बताया?

(a) सड़कों पर तेज गति से वाहन चलाने का अधिकार

(b) फुटपाथ पर सुरक्षित रूप से चलने का अधिकार

(c) कहीं भी वाहन पार्क करने का अधिकार

(d) फुटपाथ पर छोटे राजमार्ग बनाने का अधिकार

Q7.

भारत में किस सरकारी संगठन ने खाद्य विक्रेताओं से भोजन को पैक, लपेटने, रखने या परोसने के लिए अखबारों का उपयोग बंद करने को कहा है?

(a) ISRO

(b) FSSAI

(c) RBI

(d) नीति आयोग

प्रQ8. प्रतिस्थापन स्तर से कम कुल प्रजनन दर (Total Fertility Rate) मुख्य रूप से क्या संकेत देती है?

(a) जनसंख्या हमेशा तेजी से बढ़ती रहेगी।

(b) भविष्य में देश की जनसंख्या घटने लग सकती है।

(c) प्रत्येक परिवार के ठीक दो बच्चे होंगे।

(d) बुजुर्गों की संख्या तुरंत शून्य हो जाएगी।

Q9. चंद्रयान-2 के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. चंद्रयान-2 को ISRO द्वारा वर्ष 2019 में लॉन्च किया गया था।
2. इसका ऑर्बिटर अभी भी काम कर रहा है और पृथ्वी पर जानकारी भेज रहा है।

उपरोक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1 और न ही 2

Q10. भारत के रामसर स्थलों के संदर्भ में, कौन-सा आर्द्रभूमि क्षेत्र भारत का 100वाँ रामसर स्थल बना?

(a) सुरहा ताल

(b) सुल्तान ताल

(c) केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान

(d) भोज वेटलैंड

Q11. मिट्टी के नीचे छिपा फंगल नेटवर्क बहुत पतले कवकीय तंतुओं से बना होता है, जिन्हें क्या कहा जाता है?

(a) बीज

(b) हाइफा

(c) पत्तियाँ

(d) जड़ें

Q12. 'योगासन' शब्द में संस्कृत शब्द 'आसन' का अर्थ क्या है?

(a) शरीर की मुद्रा

(b) विजय

(c) शक्ति

(d) प्रतियोगिता

Q13. T20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के संदर्भ में, पुरुष या महिला क्रिकेट में 200 T20I मैच खेलने वाली दुनिया की पहली क्रिकेटर कौन बनीं?

(a) स्मृति मंधाना

(b) हरमनप्रीत कौर

(c) पॉल स्टर्लिंग

(d) रोहित शर्मा

Q14. पृथ्वी से बाहर बुद्धिमान जीवन की खोज के संदर्भ में SETI का पूरा नाम क्या है?

(a) Space Exploration and Telescope Initiative

(b) Search for Extraterrestrial Intelligence

(c) Space Energy Transmission Initiative

(d) Study of Earth Technological Intelligence

Q15.

सुपरसोनिक विमान क्या होता है?

(a) ऐसा विमान जो बादलों से अधिक ऊँचाई पर उड़ता है।

(b) ऐसा विमान जो ध्वनि की गति से अधिक तेज गति से उड़ता है।

(c) ऐसा विमान जो केवल रात में उड़ता है।

(d) ऐसा विमान जो कोई आवाज नहीं करता।

श्पQ16.एक Universal Virus Vaccine को सामान्य टीकों से क्या अलग बनाता है?

(a) यह केवल वायरस के एक संस्करण को लक्षित करता है।

(b) यह व्यक्ति के बीमार होने के बाद ही काम करता है।

(c) यह कई संबंधित वायरसों में पाए जाने वाले सामान्य गुणों को लक्षित करता है।

(d) इसमें प्रतिरक्षा प्रणाली शामिल नहीं होती।

Q17.एक Wordle खिलाड़ी मुख्य रूप से ऐसा शब्द चुनता है जो कई गलत संभावनाओं को समाप्त कर सके, भले ही वह सही उत्तर न हो। यह रणनीति किसके सबसे निकट है?

(a) बिना किसी संकेत के यादृच्छिक अनुमान लगाना

(b) अनिश्चितता को कम करने के लिए जानकारी का उपयोग करना

(c) पहले से दिए गए संकेतों को अनदेखा करना

(d) ऐसे शब्द चुनना जिनमें दोहराए गए अक्षर हों

Q18.Initial Public Offering (IPO) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह पहली बार होता है जब कोई निजी कंपनी अपने शेयर जनता को बेचती है।
2. किसी कंपनी के शेयर खरीदने वाले लोग उस कंपनी के आंशिक मालिक बन जाते हैं।

उपरोक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1 और न ही 2

Q19.ऑनलाइन खरीदारी में Dark Patterns क्या होते हैं?

(a) ऐसी डिज़ाइन जो उपयोगकर्ताओं को ईमानदारी से कीमतों की तुलना करने में मदद करती हैं।

(b) ऐसी डिज़ाइन जो उपयोगकर्ताओं को अधिक खर्च करने या ऐसे विकल्प चुनने के लिए प्रभावित करती हैं, जिन्हें वे अन्यथा नहीं चुनते।

(c) ऐसे ऐप जो केवल Dark Mode में काम करते हैं।

(d) केवल रात में दिए जाने वाले डिस्काउंट।

Q20.निम्नलिखित में से कौन-सी गतिविधियाँ किसी व्यक्ति को ईर्ष्या को समझदारी से संभालने में मदद कर सकती हैं?

1. अपनी भावना को स्वीकार करना।
2. उस भावना के पीछे के कारण को समझना।
3. दूसरों से सीखना।

Q21.निम्नलिखित अभिकथन और कारण पर विचार कीजिए:

अभिकथन (A): GI टैग स्थानीय किसानों को अधिक धन कमाने में मदद कर सकता है।

कारण (R): GI टैग किसी विशेष स्थान पर बने उत्पाद के नाम की सुरक्षा करता है।

(a) A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।

(b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता।

(c) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

(d) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

Q22.मिशन सेनेहजोरी (Mission Senehjori) किस प्रसिद्ध असमिया उत्पाद को दुनिया भर में लोकप्रिय बनाने के लिए शुरू किया गया है?

(a) मूगा सिल्क

(b) पद्मिनी लकड़ी

(c) चंदन साड़ी

(d) कांचीपुरम सिल्क

Q23.दुनिया के सबसे वृद्ध जीवित स्थलीय पशु के रूप में पहचाने जाने वाला Jonathan किस प्रकार का जीव है?

(a) हाथी

(b) विशाल कछुआ

(c) व्हेल

(d) मगरमच्छ

Q24.निम्नलिखित अभिकथन और कारण पर विचार कीजिए:

अभिकथन (A): आफ्टरशॉक्स (Aftershocks) बड़े भूकंप के बाद खतरनाक हो सकते हैं।

कारण (R): क्षतिग्रस्त इमारतें बाद में आने वाले छोटे भूकंपों के दौरान और कमजोर हो सकती हैं।

(a) A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।

(b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता।

(c) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

(d) A असत्य है, लेकिन R सत्य है

Name : .... Class : .... School Name : .... Mobile : ....

1.	A	B	C	D	9.	A	B	C	D	17.	A	B	C	D
2.	A	B	C	D	10.	A	B	C	D	18.	A	B	C	D
3.	A	B	C	D	11.	A	B	C	D	19.	A	B	C	D
4.	A	B	C	D	12.	A	B	C	D	20.	A	B	C	D
5.	A	B	C	D	13.	A	B	C	D	21.	A	B	C	D
6.	A	B	C	D	14.	A	B	C	D	22.	A	B	C	D
7.	A	B	C	D	15.	A	B	C	D	23.	A	B	C	D
8.	A	B	C	D	16.	A	B	C	D	24.	A	B	C	D

01 सरस्वती विद्या मंदिर (मॉडल स्कूल)

गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक शिक्षा की नई पहचान

बिहार सरकार द्वारा राज्यभर में "सरस्वती विद्या मंदिर (मॉडल स्कूल)" की स्थापना की जा रही है। इन विद्यालयों का उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के मेधावी और आकांक्षी विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण प्रदान करना है, ताकि वे प्रतियोगी परीक्षाओं सहित उच्च शिक्षा के लिए बेहतर तैयारी कर सकें।

मॉडल स्कूल का उद्देश्य

- गुणवत्तापूर्ण स्कूली शिक्षा
- प्रतिभा विकास और नेतृत्व क्षमता
- बड़े सपनों के लिए बेहतर तैयारी
- ग्रामीण-शहरी शिक्षा में समानता

मुख्य विशेषताएँ

- कक्षा 9 से 12 तक (केवल 9-12, 6-12 नहीं)
- आधुनिक कक्षाएँ, विज्ञान प्रयोगशाला, कम्प्यूटर लैब और डिजिटल सुविधाएँ
- मेधावी और ग्रामीण/पिछड़े क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए विशेष अवसर
- प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए विशेष मार्गदर्शन, करियर परामर्श
- आवश्यकतानुसार छात्रावास एवं अन्य सहायक सुविधाएँ

02 बिहार विद्या साथी ऐप

छात्रों के लिए व्यक्तिगत डिजिटल शिक्षक

"बिहार विद्या साथी" एक एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जो कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए अपनी पढ़ाई, अभ्यास, परीक्षा तैयारी और करियर मार्गदर्शन की सुविधाएँ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराता है। यह ऐप विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों – तीनों के लिए उपयोगी है।

किसके लिए उपयोगी?

- **विद्यार्थी** – पढ़ाई, अभ्यास, परीक्षा तैयारी
- **अभिभावक** – बच्चों की प्रगति पर नज़र
- **शिक्षक** – पढ़न-पाढ़न में डिजिटल सहायता

मुख्य विशेषताएँ

- कक्षा 6 से 12 तक सभी विषयों का डिजिटल अध्ययन सामग्री
- वीडियो लेक्चर, नोट्स, प्रश्न बैंक और मॉक टेस्ट
- प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए विशेष सामग्री
- करियर मार्गदर्शन, छात्रवृत्ति और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी
- सरकारी योजनाओं से जुड़ी सुचना
- कहीं भी, कभी भी – मोबाइल पर आसान उपयोग

ऐप डाउनलोड कैसे करें?

GET IT ON Google Play

बिहार विद्या साथी

अभी डाउनलोड करें और अपनी पढ़ाई को बनाएं स्मार्ट!

03 IIT-JEE / NEET के लिए निःशुल्क ऑनलाइन कक्षाएँ

बिहार के हर प्रतिभाशाली विद्यार्थी के लिए बड़ा अवसर

बिहार सरकार के शिक्षा विभाग तथा Skill Up Bihar मिशन के तहत राज्य के कक्षा 10 उत्तीर्ण या परीक्षार्थी विद्यार्थियों के लिए IIT-JEE और NEET की निःशुल्क ऑनलाइन कोचिंग की व्यवस्था की गई है, ताकि आर्थिक कारण किसी भी मेधावी छात्र के सपनों में बाधा न बने। यह पहल राज्य के हर कोने तक गुणवत्तापूर्ण कोचिंग पहुँचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

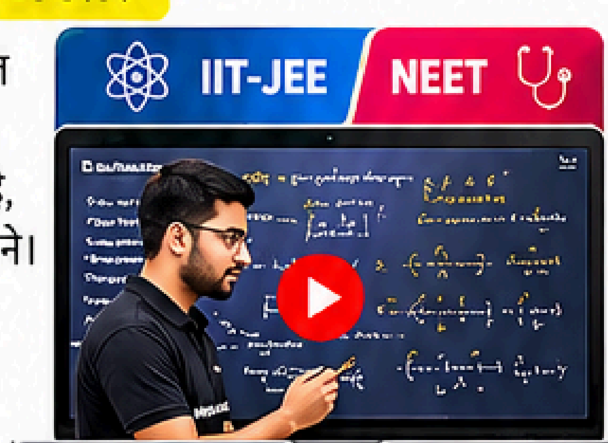

मुख्य विशेषताएँ

- कक्षा 11 और 12 के लिए पूर्ण पाठ्यक्रम
- IIT-JEE (Main + Advanced) और NEET-UG के लिए विशेष कक्षाएँ (2 वर्षीय कार्यक्रम)
- अनुभवी शिक्षकों द्वारा गुणवत्तापूर्ण वीडियो लेक्चर
- अध्ययन सामग्री, टेस्ट सीरीज और प्रैक्टिस प्रश्न
- कभी भी, कहीं भी सीखने की सुविधा (YouTube के माध्यम से)

कौन कर सकता है आवेदन?

- BSEB, CBSE, ICSE या अन्य मान्यता प्राप्त बोर्ड से कक्षा 10 उत्तीर्ण या परीक्षार्थी विद्यार्थी
- जो BSEB के अंतर्गत कक्षा 11 में नामांकन लेना चाहते हैं

कोचिंग के प्रकार और सुविधाएँ

- **आवासीय कोचिंग** – पटना में (निःशुल्क आवास, भोजन और AC कक्षाएँ)
- **अनावासीय कोचिंग** – 9 संभागीय जिलों में पटना, मुजफ्फरपुर, छपरा, दरभंगा, सहसा, पूर्णिया, भागलपुर, गया और मुंगेर

आर्थिक सहायता

निःशुल्क कोचिंग, अध्ययन सामग्री और मासिक छात्रवृत्ति (₹400 से ₹1,000 प्रति माह योजना के अनुसार)

बड़ी परीक्षाएँ, बड़े अवसर

सत्र 2026-27 में तैयारी करें, भविष्य के लिए मजबूत नींव रखें

भारत में कई प्रतिष्ठित प्रवेश परीक्षाएँ हैं, जो मेधावी विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा, अनुशासन, नेतृत्व विकास और उज्ज्वल करियर का अवसर देती हैं। यहां मुख्य परीक्षाओं की जानकारी एक ही पेज पर – ताकि आप सही योजना बना सकें।

1 नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा (JNVST)

ग्रामीण प्रतिभाओं के लिए श्रेष्ठ आवासीय विद्यालय

कक्षा कक्षा 6 के लिए

आवेदन जुलाई – अगस्त 2026 (संभावित)

परीक्षा जनवरी 2027 (संभावित)

कौन आवेदन कर सकता हैं?

- वर्तमान में कक्षा 5 में पढ़ रहे छात्र।
- सरकारी/मान्यता प्राप्त विद्यालय में अध्ययनरत।
- उसी जिले का निवासी होना आवश्यक जहाँ से आवेदन कर रहे हैं।

क्यों महत्वपूर्ण हैं?

- पूर्णतः निःशुल्क आवासीय शिक्षा (कक्षा 6 से 12)।
- उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियाँ।
- ग्रामीण प्रतिभाओं के लिए समान अवसर।

2 सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा (AISSEE)

अनुशासन, नेतृत्व और राष्ट्र-सेवा की दिशा में पहला कदम

कक्षा कक्षा 6 और 9 के लिए

आवेदन अक्टूबर – नवंबर 2026 (संभावित)

परीक्षा 31 जनवरी 2027 (संभावित, NTA कैलेंडर)

कौन आवेदन कर सकता हैं?

- **कक्षा 6 के लिए:** वर्तमान में कक्षा 5 में पढ़ रहे/उत्तीर्ण छात्र।
- **कक्षा 9 के लिए:** वर्तमान में कक्षा 8 में पढ़ रहे/उत्तीर्ण छात्र।
- भारतीय नागरिक (कुछ आरक्षण नियम लागू)।

क्यों महत्वपूर्ण हैं?

- रक्षा सेवाओं के लिए मजबूत आधार।
- उत्कृष्ट शिक्षा, खेल, नेतृत्व और व्यक्तित्व विकास।
- देश सेवा की प्रेरणा और अनुशासित जीवनशैली।

3 राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल प्रवेश परीक्षा (RMS CET)

रक्षा सेवाओं के लिए उत्कृष्ट शिक्षा और सर्वांगीण विकास

कक्षा कक्षा 6 और 9 के लिए

आवेदन सितंबर – अक्टूबर 2026 (संभावित)

परीक्षा 13 दिसंबर 2026 (संभावित, NTA कैलेंडर)

कौन आवेदन कर सकता हैं?

- **कक्षा 6 के लिए:** कक्षा 5 में पढ़ रहे/उत्तीर्ण छात्र।
- **कक्षा 9 के लिए:** कक्षा 8 में पढ़ रहे/उत्तीर्ण छात्र।
- केवल लड़के छात्र आवेदन कर सकते हैं।
- भारतीय नागरिक (नियमों के अनुसार)।

क्यों महत्वपूर्ण हैं?

- रक्षा मंत्रालय द्वारा संचालित प्रतिष्ठित विद्यालय।
- उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण, खेल एवं सह-पाठ्यक्रम।
- रक्षा सेवाओं और अन्य क्षेत्रों के लिए मजबूत नींव।

4 राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा (NMMS)

मेधावी विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति

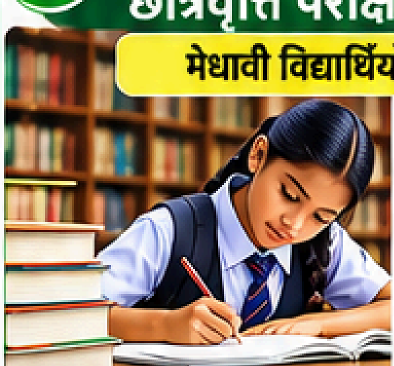

कक्षा कक्षा 8 के लिए

आवेदन SCERT बिहार द्वारा घोषित कार्यक्रमानुसार

परीक्षा SCERT बिहार द्वारा घोषित तिथि (2026–27)

कौन आवेदन कर सकता हैं?

- कक्षा 8 में पढ़ रहे छात्र (राज्य सरकार/मान्यता प्राप्त विद्यालय)।
- परिवार की वार्षिक आय राज्य द्वारा निर्धारित सीमा तक (लगभग ₹3.5 लाख, नियमों के अनुसार)।
- SC/ST/OBC/अल्पसंख्यक एवं अन्य पात्र छात्र।

क्यों महत्वपूर्ण हैं?

- चयनित विद्यार्थियों को कक्षा 9 से 12 तक प्रति वर्ष ₹1,000 की छात्रवृत्ति।
- आर्थिक रूप से कमजोर व मेधावी छात्रों के लिए बड़ी सहायता।
- उच्च शिक्षा के लिए प्रेरणा और निरंतर पढ़ाई में सहयोग।

5 अन्य महत्वपूर्ण प्रवेश परीक्षाएँ (संक्षेप में)

RIMC (राष्ट्रीय रक्षा अकादमी प्रवेश)

- कक्षा : 8
- आवेदन : अप्रैल – जून 2026 (संभावित)
- परीक्षा : दिसंबर 2026 (संभावित)

NDA (राष्ट्रीय रक्षा अकादमी)

- कक्षा : 12
- आवेदन : अप्रैल/मई 2026 (UPSC)
- परीक्षा : 14 सितंबर 2026 (संभावित)

NVS (नवोदय सैनिक विद्यालय/लेटेरल एंट्री)

- कक्षा : 9
- आवेदन : नवंबर 2026 (संभावित)
- परीक्षा : जनवरी 2027 (संभावित)

RKVY (राज्य स्तरीय प्रतिभा परीक्षा आदि)

- कक्षा : 6 – 12 (परीक्षा के अनुसार)
- आवेदन : अलग-अलग राज्य योजनाओं के अनुसार
- परीक्षा : संबंधित विभाग द्वारा घोषित।

6 इन परीक्षाओं की तैयारी कैसे करें?

सिलेबस और पैटर्न समझें
पिछले वर्षों के प्रश्नपत्र देखें।

समय सारिणी बनाएं
प्रतिदिन अध्ययन का निश्चित समय रखें।

मूलभूत अवधारणाएं मजबूत करें
NCERT आधारित अध्ययन, गणित, विज्ञान, भाषा और तर्कशक्ति पर ध्यान दें।

नियमित अभ्यास और मॉक टेस्ट
समय प्रबंधन और प्रश्न हल करने की गति बढ़ाएं।

स्वास्थ्य का ध्यान रखें
पर्याप्त नींद, पौष्टिक भोजन और व्यायाम करें।

अच्छी आदतें अपनाएं
डिजिटल विचलन कम करें और सकारात्मक सोच रखें।

याद रखें!

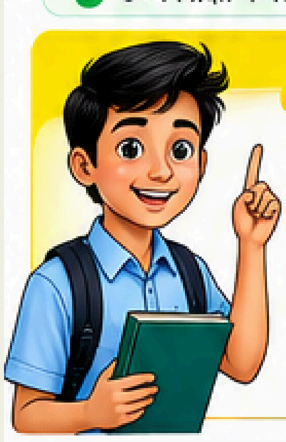

- सभी परीक्षाओं की नवीनतम जानकारी के लिए आधिकारिक वेबसाइट देखें।
- आवेदन तिथि का इंतजार न करें – समय रहते तैयारी शुरू करें।
- नियम व पात्रता को ध्यान से पढ़ें।
- पिछले वर्षों के प्रश्नपत्र हल करें।
- कठिनाइयों में शिक्षक, अभिभावक और मार्गदर्शक से सहायता लें।

तैयारी के लिए विषयवार सुझाव

गणित	मूल अवधारणाएँ, अधिक अभ्यास।
विज्ञान	NCERT पर आधारित अध्ययन, अवधारणा समझें और आरेख बनाकर याद करें।
भाषा	हिंदी/अंग्रेजी – व्याकरण, पठन-पाठन और लेखन का अभ्यास।
सामान्य ज्ञान	समसामयिक घटनाएँ, भारत का इतिहास, भूगोल, विज्ञान, खेल और ठ्यमन।
तर्कशक्ति	मानसिक क्षमता, पैटर्न और तार्किक प्रश्नों का नियमित अभ्यास।

आप भी कर सकते हैं!

- सही जानकारी, सही दिशा
- नियमित अभ्यास, बेहतर परिणाम
- मेहनत + धैर्य = सफलता
- छोटे लक्ष्य, बड़ी उपलब्धियाँ
- आज की तैयारी, कल का उज्ज्वल भविष्य

मेहनत का हर कदम आपको सपनों के करीब ले जाता है।

आपकी सोच से ही बदलती है शिक्षा की दिशा
हर विद्यार्थी, हर शिक्षक के भीतर एक नई सोच और एक नया विचार छुपा होता है।
जरूरत है उसे पहचानने और दुनिया तक पहुँचाने की।
“विद्यार्थी दर्पण” सिर्फ एक पत्रिका नहीं, बल्कि एक ऐसा मंच है जहाँ
आपके अनुभव, आपके नवाचार और आपके प्रयासों को पहचान मिलती है।
आइए, सीखने के साथ साझा भी करें–
क्योंकि आपका एक विचार किसी और के भविष्य को नई राह दे सकता है।
सीखें, सोचें और बदलाव का हिस्सा बनें।
– टीम विद्यार्थी दर्पण

आपको यह अंक कैसा लगा? अपनी प्रतिक्रिया अवश्य दे -
https://tinyurl.com/mr3rewhf

हमें सुझाव देने के लिए या हमसे संपर्क करने के लिए ईमेल करे -

Contact Us

districteducationgopalganj@gmail.com
teachersofbihar@gmail.com

https://edugopalganj.in/
www.teachersofbihar.org/vidyarthi-darpana

https://chat.whatsapp.com/F8If6P0wMeoKYDOBpSTPNb

Click or Scan

Social With Us

SCAN ME
@deoofficegopalganj

SCAN ME
@teachersofbihar

SCAN ME
@deoofficegopalganj

SCAN ME
@teachersofbihar

SCAN ME
@deoofficegopalganj

SCAN ME
@teachersofbihar